



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

PART II—Section 3—Sub-section (ii)
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 227]
No. 227]

नई दिल्ली, बुधवार, अप्रैल 26, 1990/वैशाख 6, 1912
NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 26, 1990/VAISAKHA 6, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

आवेदना

नई दिल्ली, 26 अप्रैल, 1990

आयकर

का.आ. 354(अ).--आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 295 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर
बोर्ड पत्रद्वारा आयकर नियमावली, 1962 में धीरे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात्:--

1. (1) इन नियमों को आयकर (स्थावर संशोधन) नियमावली, 1990 कहा जाएगा।

(2) ये नियम जून, 1990 के प्रथम दिन से लागू होंगे।

2. आयकर नियम, 1962 में, परिशिष्ट-II में, प्रारूप संख्या 2 धीरे 3 के स्थान पर, निम्नलिखित प्रारूप रखे जाएंगे, अर्थात्:--

भाग-1 आय जिसके अन्तर्गत अन्य व्यक्तियों की आय भी है जो विधिविरुद्ध की कुल आय में सम्मिलित किए जाने योग्य है और शुद्ध कृषि आय की संगणना क. वेतन

नियोजक का नाम और पता

सरकारी हां/नहीं

1. वेतन (सभी भागों सहित)

2. घटाइए आय 10 के अधीन छूट प्राप्त होती

(क)

(ख)

(ग)

3. प्रतिशेष (1—2)

4. जोड़िए

(क)

(ख)

(ग)

(घ)

5. योग (3 + 4)

6. कटौती कीजिए

(क) मानक कटौती

(ख)

(ग)

7. 6 की कटौतियों का योग

8. वेतन शीर्ष के अधीन प्रभावं आय (5—7)

ख. गृह संपत्ति से आय

1. संपत्ति का पता

2. स्वयं के अधिभोग में

हां/नहीं

3. वा. कि. मू./ वार्षिक किराया

4. घटाइए

(क)

(ख)

(ग)

5. 4 का योग

6. प्रतिशेष (3—5)

7. अन्य कटौतियां :

(क) मरम्मत

(ख)

(ग)

(घ)

(ङ)

(च)

(छ)

(ज)

(झ)

8. 7 का योग

9. गृह संपत्ति से आय शीर्ष के अधीन प्रभावं आय (6—8)

ग. कारखाने या वृत्ति के लाभ और प्रतिलाभ

1. कारखाने या वृत्ति (संघ के कारखाने से भिन्न) : लाभ और हानि लेखा के अनुसार शुद्ध लाभ हानि			रु.		रु.	
2. समायोजन :	जोड़िए		रु.	कटौती कीजिए		रु.
			रु.			रु.
			रु.			रु.
			रु.			रु.
			रु.			रु.
3. समायोजन का योग			रु.			रु.
4. उपर्युक्त 1+3 में समायोजनों के पश्चात् प्रतिशेष				शुद्ध लाभ/हानि		रु.
5. रजिस्ट्रीकृत फर्म (फर्मों) के लाभ और हानि में अंश						रु.
6. समायोजन :	जोड़िए		रु.	कटौती कीजिए		रु.
			रु.			रु.
			रु.			रु.
			रु.			रु.
7. समायोजनों का योग			रु.			रु.
8. उपर्युक्त 5+7 में समायोजनों के पश्चात् प्रतिशेष				शुद्ध लाभ/हानि		रु.
9. रजिस्ट्रीकृत फर्म/व्यक्ति संगम/व्यष्टि निकाय के लाभ या हानि में अंश			रु.			रु.
10. समायोजन :	जोड़िए		रु.	घटाइए		रु.
			रु.			रु.
			रु.			रु.
11. समायोजनों का योग			रु.			रु.
12. उपर्युक्त 9+11 में समायोजनों के पश्चात् प्रतिशेष				शुद्ध लाभ/हानि		रु.
13. योग (4, 8 और 12 का परिणाम)						रु.
14. घटाइए पूर्व वर्षों से अग्रणीत अनामेयित हानियाँ या भत्ते		(क)	रु.			रु.
		(ख)	रु.			रु.
		(ग)	रु.			रु.
15. (संघ के कारखाने से भिन्न) कारखाने या वृत्ति से प्रभाय आय (अर्थात् 17 या 14 का परिणाम)						रु.
16. संघ का कारखाना						रु.
17. समायोजन :	जोड़िए		रु.	घटाइए		रु.
			रु.			रु.
			रु.			रु.
			रु.			रु.
18. समायोजनों का योग			रु.			रु.
19. 16+18 का प्रतिशेष				शुद्ध लाभ/हानि		रु.
20. संघ के कारखाने से उस विस्तार तक अग्रणीत हानियाँ जिन्हें 19 के बिरुद्ध मूजराई दी जा सकती है						रु.
21. संघ का कारखाना से प्रभाय आय (19—20)						रु.
22. कारखाने या वृत्ति से शुद्ध प्रभाय आय (15+21)						रु.

घ. पूँजी अभिलाष

अल्पकालिक प्रास्तियों

दीर्घकालिक प्रास्तियाँ

1. अंतरित प्रास्तियों की विशिष्टता	_____र.	_____र.	_____र.	_____र.
2. अन्तरण के पूर्व धारण अवधि	_____र.	_____र.	_____र.	_____र.
3. अन्तरण की तारीख	_____र.	_____र.	_____र.	_____र.
4. प्रनिफल का पुरा मूल्य	_____र.	_____र.	_____र.	_____र.
5. कटौतियाँ :				
(i) प्रजर्ज की लागत	_____र.	_____र.	_____र.	_____र.
(ii) सुधार की लागत	_____र.	_____र.	_____र.	_____र.
(iii) अन्तरण की लागत	_____र.	_____र.	_____र.	_____र.
6. 5 की कटौतियों का योग	_____र.	_____र.	_____र.	_____र.
7. प्रतिशेष (4-6)	_____र.	_____र.	_____र.	_____र.
8. अन्य कटौतियाँ घटाइए	_____र.	_____र.	_____र.	_____र.
9. प्रतिशेष (7-8)	_____र.	_____र.	_____र.	_____र.
10. जोड़िए :				
वह रकम जो पूँजी अभिलाष समझी गई है (रूपया विनिर्दिष्ट करें)				
(क)	_____र.	_____र.	_____र.	_____र.
(ख)	_____र.	_____र.	_____र.	_____र.
11. योग [10(क) + 10(ख)]	_____र.	_____र.	_____र.	_____र.
12. योग (9 + 11)	_____र.	_____र.	_____र.	_____र.
13. दीर्घकालिक प्रास्तियों से संबंधित अवनीत की गई हानियाँ घटाइए :			_____र.	_____र.

14. पूँजी अभिलाष की शुद्ध रकम

अल्पकालिक पूँजी अभिलाष

दीर्घकालिक पूँजी अभिलाष

_____र.

_____र.

इ. अन्य स्रोतों से आय

1. (क) लाभांश	_____र.	
(ख) ब्याज	_____र.	
(ग) लाटरी, बर्ग पहली, दोड़ आदि से जीत	_____र.	
(घ) अन्य	_____र.	
2. 1(क) से 1(घ) का योग		_____र.
3. घटाइए : कटौतियाँ (रूपया विनिर्दिष्ट करें)	_____र.	
	_____र.	
	_____र.	
4. 3 की कटौतियों का योग		_____र.
5. अन्य स्रोतों से शुद्ध प्रभाय आय (2-4)		_____र.

ज. कुल आय का विवरण

1. (क) बेटन (मद क-8) _____र.
- (ख) गृह संपत्ति से आय (मद ख-9) _____र.
- (ग) कारबार या बुटि के लाभ और अभिलाष (मद ग-22) _____र.
- (घ) पूंजी अभिलाष
- (i) अल्पकालिक पूंजी अभिलाष _____र.
- (ii) दीर्घकालिक पूंजी अभिलाष _____र. (मद इ-14) योग _____र.
- इ. अन्य स्रोतों से आय (मद इ-5) _____र.
2. सकल कुल आय (क से इ तक) _____र.
3. घटाव : अध्याय 6-क के अधीन कटौतियाँ
- _____र. _____र. _____र.
- _____र. _____र. योग _____र.
4. प्रतिशेष (2-3) _____र.
5. कुल आय (यस रूप से विकटलस गुणन तक पूर्णांकित) _____र.
6. कुल आय (शब्दों में)
- | लाख | हजार | सैकड़े | बहाइयाँ |
|-------|-------|--------|---------|
| _____ | _____ | _____ | _____ |
7. कुछ कृषि आय वर के प्रयोजनों के लिए _____र.
8. मद क से इ तक में सम्मिलित आय की रकम जो पति या पत्नी/अपस्क संतान/पुत्र की पत्नी/पुत्र की अपस्क संतान या किसी अन्य व्यक्ति या व्यक्तियों के संगम को उद्भूत होने वाली आय है। _____र.
9. ऐसे व्यक्ति का नाम और नातेदारी _____
10. मद क से इ तक में सम्मिलित आय जिस पर विशेष दर से कर प्रभाव है _____र.

भाग 2. करों का विवरण

1. कुल आय पर कर

(क) विशेष दरों से

-----रु.

(ख) सामान्य दरों से

-----रु.

2. घटाइए: (क) धारा 89(1) के अधीन राहत

-----रु.

(ख) अरजिस्ट्रीकृत फर्म/व्यक्ति संगम/
व्यक्ति निकाय से अंश आय की बाबत
आय-कर की औसत दर से रिबेट

-----रु.

योग

-----रु.

3. प्रतिशेष (1-2)

-----रु.

4. जोड़िए :

(क) विपक्ष से विवरणी फाइनल करने पर व्यय

-----रु.

(ख) अधिम कर के संवाय में व्यक्तिगत के लिए व्यय

-----रु.

(ग) अधिम कर के आभ्यग के लिए व्यय

-----रु.

योग

-----रु.

5. सदेय कुल कर और ध्याज (3 + 4)

-----रु.

6. पूर्व संवत्त कर :

(क) अधिम कर की किस्में (जालान संलग्न कीजिए)

	पहली	दूसरी	तीसरी	योग
रकम (रुपए)				
तारीख				
बैंक का नाम				
शाखा				

(ख) जोत पर कटौती किया गया कर (प्रमाणपत्र संलग्न कीजिए)

(i) वेतन

-----रु.

(ii) ध्याज

-----रु.

(iii) लाभांश

-----रु.

(iv) कोई अन्य मद (रूपदा विनिर्दिष्ट कीजिए)

-----रु.

योग

-----रु.

7. स्वतः निर्धारण पर कर जालान संलग्न कीजिए
संवाय की तारीख

रकम

आय-कर

मद 4 के अनुसार ध्याज

[] [] 19 [] []

-----रु.

-----रु.

योग

-----रु.

8. अन्य पूर्व संवत्त कर, यदि कोई हो (विनिर्दिष्ट करें और मद्दत संलग्न करें)

-----रु.

9. मद (6 से 8) का योग

-----रु.

10. सदेय व प्रतिशेष शुद्ध कर (अर्थात् 5 और 9 का अन्तर)

-----रु.

भाग-3. कारबार या वृत्ति से सुसंगत जानकारी

1. सामान्य विनिष्टया :

(क) जिस नाम से कारबार/वृत्ति चलाई जाती है

(ख) शाखा (शाखाओं) का नाम और पता/पते

(ग) कारबार या वृत्ति की प्रकृति

(घ) लेखा पद्धति : वाणिज्यिक/नकद/मिश्रित

(ङ) स्टॉक मर्यांकन पद्धति

2. कर्म/व्यक्ति संगम/व्यष्टि निकाय के मामले में कृपया निम्नलिखित प्रतिरिक्त जानकारी प्रस्तुत कीजिए :

क्रम सं.	भागीदार/सदस्य का नाम	लाभ के अंश का अनुपात	भागीदार/सदस्य को संबद्ध व्याज	भागीदार/सदस्य को संबद्ध बेतन पारिश्रमिक	भागीदार/सदस्य को संबद्ध कमीशन/बोनास
(क)	(ख)	(ग)	(घ)	(ङ)	(च)

3. कारबार या वृत्ति के लाभ और अभिलाभ से आय की संगणना में कटौती की जाने वाली रकम

क्रम सं.	विनिष्टया	रकम (रु.)
(क) अवसयण		
(ख)		
(ग)		
(घ)		
(ङ)		
(च)		
(छ)		
(ज)		
(झ)		
(प्र)		
(ट)		
(ठ)		

भाग 4--आय जिसके लिए छूट का दावा किया गया है

1.	आय की प्रकृति	रकम (रु०)	छूट के लिए कारण
(क)			
(ख)			
(ग)			
(घ)			

भाग 5--संलग्न दस्तावेजों/विवरणों की सूची

2.

- (क)
(ख)
(ग)
(घ)
(ङ)
(च)
(छ)
(ज)
(झ)

3. मर्यापन

मैं (स्पष्ट शब्दों में पूरा नाम) जो *का पुत्र/की पुत्री/पत्नी हूँ, सत्यनिष्ठा से घोषणा करता/करती हूँ कि इस विवरण और इससे संलग्न उपबन्धों और विवरणों में दी गई जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सही और पूर्ण है और उनमें दक्षिण कुल आय की रकम और अन्य विशेषियों का उल्लेख सही-सही किया गया है और ये निवर्तन वर्ष 19□□-□□ से सुसंगत पूर्व वर्ष (वर्षों) के संबंध में हैं।

*मैं सत्यनिष्ठा से यह घोषणा भी करता/करती हूँ कि उक्त पूर्व वर्ष (वर्षों) के दौरान--

(क) मुझे मेरे नाम में या किसी अन्य व्यक्ति के नाम में धारित किसी भास्ति से कोई अन्य आय न तो प्राप्त हुई है, न उद्भूत हुई है, और न प्राप्त हुई है;

(ख) किसी अन्य व्यक्ति की आय सहित ऐसी कोई अन्य आय नहीं है जिसकी बाबत मैं आयकर अधिनियम, 1961 के अधिनियम के अन्तर्गत प्रभावित हूँ।

*मैं सत्यनिष्ठा से यह घोषणा भी करता/करती हूँ कि उक्त पूर्व वर्ष (वर्षों) के दौरान--

(क) उस व्यक्ति को, जिसके लिए और जिसकी ओर से यह विवरणी दी जा रही है, *उस व्यक्ति को, जिसकी कुल आय की बाबत मेरा निवर्तन किया जा सकता है, *उस व्यक्ति को, जिसके लिए और जिसकी ओर से यह विवरणी दी जा रही है, *उस व्यक्ति को, जिसकी कुल आय की बाबत मेरा निवर्तन किया जा सकता है, नाम में या किसी अन्य व्यक्ति के नाम में धारित किसी भास्ति से कोई अन्य आय न तो प्राप्त हुई है, न उद्भूत हुई है;

(ख) किसी अन्य व्यक्ति की आय सहित ऐसी कोई अन्य आय नहीं है जिसकी बाबत उक्त व्यक्ति आयकर अधिनियम, 1961 के अधिनियम के अन्तर्गत प्रभावित है।

*मैं यह भी घोषणा करता/करती हूँ कि मैं यह विवरणी (पत्रनाम) की हैसियत से तैयार कर रहा/रही हूँ और मैं यह विवरणी तैयार करने और इसको मर्यापित करने के लिए मजबूत हूँ।

स्थान

तारीख

** (नाम और हस्ताक्षर)

*जो लागू न हो उसे काट दीजिए।

*घोषणा पर हस्ताक्षर करने के पूर्व हस्ताक्षरकर्ता को अगला समाधान कर लेना चाहिए कि यह निवर्तन और इसके साथ के उपबन्ध और विवरण सही और सभी प्रकार से पूर्ण हैं। कोई भी व्यक्ति जो इस विवरणी या इसके साथ के उपबन्ध या विवरणों में कोई मिथ्याकथन करेगा, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 277 के अधिनियम अधिनियम के लिए दाय्य होगा और दोषसिद्धि पर उक्त धारा के अधिनियम कठिन कारावास और जुर्माने दण्डनीय से होगा।

प्ररूप सं०

टिप्पण

[आय-कर अधिनियम, 1961/2

नियम 12(1)(ख)(i)]

सामान्य

I. प्ररूप सं० 2 (कंपनियों और धारा 11 के अधीन छूट का दावा करने वालों से भिन्न) ऐसे निर्धारितियों के लिए है जिनकी कुल आय के अन्तर्गत "कारबार या वृत्ति के लाभ और अभिलाभ" भी हैं।

II. सभी भाग और स्तम्भ इसके नीचे उपबंधित रीति से भरे जाने चाहिये। यदि कोई भाग या स्तम्भ लागू न हो तो, कृपया 'लागू नहीं होता' उल्लिखित करें और कोई चिह्न या प्रतीक अंकित न करें।

III. इन टिप्पणों में प्रत्येक पृष्ठ के नीचे जो संख्यांक दिए गए हैं वे आय की विवरणी से संबंधित पृष्ठों पर तत्स्थानी मद संख्यांक को निर्दिष्ट करते हैं।

IV. इन टिप्पणों में धाराओं और नियमों के जो निर्देश हैं वे क्रमशः आय-कर अधिनियम, 1961 और आय-कर नियम, 1962 की धाराओं और नियमों के प्रति निर्देश हैं।

V. इन टिप्पणों को अलग कर लिया जाए और निर्धारिती द्वारा रखा जाए।

पृष्ठ 1

1. जो लागू न हो उसे काट दें। यदि यह विवरणी निर्धारण वर्ष 1990-91 के लिए है और पहली बार फाइल की गई है तो यह मूल विवरणी है। यह उपबंधित करने के लिए "मूल" को छोड़ दें और बाकी काट दें, जैसे: मूल/संशोधित/धारा 148/237 के अधीन

2. वह निर्धारण वर्ष उपबंधित करें जिसके लिए विवरणी फाइल की गई है। (निर्धारण वर्ष वित्तीय वर्ष के ठीक बाद के बारह मास की अवधि का है। इस प्रकार 1-4-1989 से 31-3-1990 की अवधि के लिए निर्धारण वर्ष 1990-91 होगा।)

3. यदि यह संशोधित विवरणी है तो, पहले मूल विवरणी की रसीद संख्या दें और तब उसे फाइल करने की तारीख। उदाहरणार्थ: यदि मूल विवरणी 15-6-1990 को फाइल की जाती है और उसके लिए विभाग ने रसीद सं० 4210 जारी की है तो उसे खानों में इस प्रकार उपबंधित किया जाएगा:

4	2	1	0	1	5	.	0	6	.	1	9	9	0
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

4. करदाता को दिए गए स्थायी लेखा संख्या का यहां हवाला दिया जाएगा। यदि यह इस प्रकार अभी तक नहीं दिया गया है तो जी० आई० आर० संख्यांक यदि कोई हो लिखें। यदि दोनों नहीं दिए गए हैं तो 'नहीं दिया गया' लिखें।

5. अपना नाम स्पष्ट अक्षरों में लिखें। उपनाम पहले दें। प्रत्येक नाम के पश्चात एक खाना छोड़ दें। उदाहरणार्थ, सत्य प्रकाश शर्मा के लिए लिखें:

श	र्मा		स	त्य		प्र	का	श
---	------	--	---	-----	--	-----	----	---

6. प्रास्थिति उपबंधित करने के लिए कृपया निम्नलिखित कोड नंबर का प्रयोग कीजिए:

(क) व्यक्ति	01
(ख) हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब (नीचे उल्लिखित से भिन्न)	02
(ग) हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब जिसके कम से कम एक सदस्य की कुल आय पूर्व वर्ष में 18000 रु० से अधिक है	03
(घ) अरजिस्ट्रकृत फर्म	04
(ङ) रजिस्ट्रीकृत फर्म (उससे भिन्न जो वृत्ति में लगी है)	05

(च) रजिस्ट्रीकृत फर्म जो वृत्ति में लगी है।	06
(छ) व्यक्तियों का संगम	07
(ज) व्यक्तियों का संगम (न्यास)	08
(झ) व्यष्टि निकाय	09
(ञ) कृत्रिम विधिक व्यक्ति	10
(ट) सहकारी संसाहटी	11
(ठ) स्थानीय प्राधिकारी	16

उदाहरण : उस हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब की वशा में जिसके कम से कम एक सदस्य की कराधेय आय 18000 रु० से अधिक है सही कोड नंबर 03 होगा।

7. निवास प्रास्थिति उपदर्शित करने के लिए, निम्नलिखित कोड नंबर का प्रयोग कीजिए :

निवासी	...	01
अनिवासी	...	02
निवासी किन्तु मामूली तौर पर निवासी नहीं...		03

सुसंगत उपबन्ध धारा 6 में हैं।

8. यहां उस आय-कर बार्ड/सकिल/रेंज का जहां निर्धारण हुआ है/होना है, नाम लिखिए। यदि आपकी जानकारी नहीं है तो कृपया आयकर कार्यालय के जन संपर्क अधिकारी से या आयती काउंटर पर मालूम करें।

9. और 10. अपने कार्यालय और निवास का पिन कोड और टेलीफोन नंबर सहित यदि कोई हो, पूरा पता दें।

11. जो लागू न हो, उसे काट दें।

12. कृपया दी गई खाली जगह में प्ररूप सं० 11/11क/12, जैसी भी स्थिति हो, की रसीद सं० और फाइल करने की तारीख का उल्लेख कीजिए।

पृष्ठ -2

क. वेतन

नियोजकों के नाम और पते दें। यदि आप सरकारी नियोजन में है तो 'नहीं' काट दें। किसी अन्य दशा में 'हां' काट दें।

1. यहां निर्धारण वर्ष के संबंध में जिसके लिए विवरणी दी जा रही है, नियोजक से प्राप्त/प्राप्य सकल वेतन उपदर्शित करें। [उदाहरणार्थ, वेतन जिसके अन्तर्गत वेतन की बकाया या वेतन अग्रिम भी है, उस छूटी के बदले में जिसका उसने उपभोग नहीं किया है, प्राप्त कोई संदाय, बोनस, मजदूरी, फीस, पेंशन (जिसके अन्तर्गत पेंशन का संराशित मूल्य है), देय कोई वार्षिकी या उपदाम (बाहे संदात हो या अनुज्ञात) और मकान किराया और सभी अन्य नकद भत्ते]। एक से अधिक नियोजकों से प्राप्त/प्राप्य वेतन को सकल वेतन में सम्मिलित करें। सुसंगत उपबन्ध आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 16 और धारा 17 में हैं।

किसी व्यष्टि की दशा में, यदि कोई ऐसी रकम उपदान के रूप में चालू वर्ष में या पूर्व वर्ष में प्राप्त हुई हो, जिसके लिए छूट का दावा किया गया है तो एक पृथक विवरण संलग्न किया जाए।

2. यहां उस परिभाषा तक भत्ते उपदर्शित करें जिस तक वे धारा 10 के अधीन छूट प्राप्त हैं।

3. यहां अतिशेष उपदर्शित करें (अर्थात् 1-2)।

4. वेतन के बदले में पण्डितधियों और लाभों के मूल्य को जोड़ें। प्रत्येक मध को उसके घनीय मूल्य सहित दिए गए स्तंभों में अलग-अलग विनिर्दिष्ट करें। यदि स्थान अपर्याप्त हो तो पृथक पन्ना संलग्न करें।

नियोजक द्वारा प्रदत्त परिलब्धियां निम्नलिखित हो सकती हैं :

- (i) मुफ्त या रियायती वास सुविधा—धारा 17(2)(i) और (ii)
- (ii) मुफ्त या रियायती फायदे। सुख-सुविधाएं—धारा 17(2)(iii)
 - (क) प्रचरण—नियम 3(ग)
 - (ख) गैस, बिजुत, जल—नियम 3(घ)
 - (ग) घरेलू या वैयक्तिक सेवाएं
 - (घ) वैयक्तिक यात्रा
 - (ङ) अन्य कोई मद (ब्यौरे दीजिए)
- (iii) निर्धारित की बाध्यताओं की बाबत नियोजक द्वारा संदाय (जिनमें बालकों की शिक्षा, आय-कर आदि सम्मिलित हैं) और नियोजक द्वारा जीवन बीमा तो वार्षिकी के लिए सदैव राशियां—धारा 17(2)(vi) और (v)

5. यहां मद 3 और 4 की राशि दीजिए। कृपया वेतन प्रमाणपत्र संलग्न करें।

6. यहां वेतन आय से अनुज्ञेय कटौतियों का दावा कीजिए। प्रत्येक मद अलग-अलग विनिर्दिष्ट करें, जैसे :

—मानक कटौती : वेतन के $33\frac{1}{3}$ प्रतिशत के राशि या बारह हजार रुपए इनमें से जो भी कम हो, कराधेय वेतन की संगणना में अनुज्ञात है।

—सत्कार भत्ता—धारा 16(ii)

—वृत्ति कर—धारा 16(iii)

7. यहां सकल वेतन में से दावा की गई कटौतियों की कुल रकम दीजिए।

8. यहां "वेतन" शीर्ष के अधीन प्रभार्य शुद्ध आय उपदर्शित कीजिए।

ख. गृह संपत्ति से आय

1. कृपया संपत्ति (संपत्तियों) का/के पूरा/पूरे डाक पता/पते दीजिए। यदि निर्धारित एक से अधिक संपत्तियों का स्वामी है तो कृपया उसका एक अलग कागज पर उल्लेख कीजिए और उसे विवरणी के साथ संलग्न कीजिए।

2. यह उपदर्शित करने के लिए कि संपत्ति स्वामी के अधिभोग में है या नहीं, यथास्थिति "हां" या "नहीं" शब्द को काट दीजिए।

3. यहां वार्षिक किराया मूल्य या प्राप्त/प्राप्य वार्षिक किराया, इनमें से जो भी अधिक हो, उपदर्शित करें। यदि आप एक से अधिक गृह संपत्ति के स्वामी हैं, यहां उपदर्शित स्तंभों को प्रयोग करते हुए कृपया ऐसी प्रत्येक संपत्ति के बारे में पृथक् संगणना दें।

4. यहां धारा 23 के अधीन अनुज्ञेय कटौतियों का दावा कीजिए, जैसे :

(क) नगरपालिका कर, निर्धारित कटौती का तभी दावा करें जब वे (i) उसके द्वारा वहन किए जाते हैं, किराएदार द्वारा नहीं, और

(ii) वर्ष के दौरान संदत्त किए गए हैं। कृपया ऐसे संदाय का सबूत संलग्न करें।

(ख) नव संनिर्माण भत्ता/मुसंगत उपबन्ध धारा 23(1) के दूसरे परन्तुक में दिए गए हैं।

(ग) यदि ऐसी एक या अधिक संपत्तियां स्वामी के अधिभोग में स्वयं उनके निवास के प्रयोजनों के लिए है तो वे संपत्ति जिसके बारे में निर्धारित कि उनका धारा 23(2) के उपबन्धों के अनुसरण वार्षिक मूल्य कुछ नहीं माना जाए, विनिर्दिष्ट की जाएंगी। कटौती के प्रत्येक मद, उसके अधीन दावा की गई कटौती-योग्य रकम सहित अलग-अलग विनिर्दिष्ट करें।

5. यहां धारा 23 के अधीन बाबा की गई कटौती की कुल राशि उपदर्शित की जानी है।
6. यहां अतिशेष उपदर्शित करें (अर्थात् 3—5)
7. यहां धारा 24 के अधीन कटौतियां उपदर्शित करें (प्रत्येक मद अलग-अलग विनिर्दिष्ट करें), जैसे :
 - (i) मरम्मत-निर्धारित वार्षिक मूल्य के पण्डांग का मरम्मत के रूप में हकदार है, यदि उसे किराएदार द्वारा वहन नहीं किया जाता है—धारा 24(1)(i)
 - (ii) बीमा-धारा 24(1)(ii)
 - (iii) वार्षिक प्रभार-धारा 24(1)(iv)
 - (iv) भूमि का किराया—धारा 24(1)(v)
 - (v) उधार ली गई पूजा पर ब्याज—धारा 24(1)(vi)
 - (vi) भू-राजस्व धारा—24(1)(vii)
 - (vii) संग्रहण प्रभार (अनुज्ञेय परिसीमा, वास्तविक व्यय या वार्षिक किराया मूल्य का 6 प्रतिशत इनमें जो भी कम हो, है)—धारा 24(1)(viii)
 - (viii) रिक्त रहने का भत्ता—धारा 24(1)(ix)
 - (ix) किराया जो बसूल नहीं किया जा सकता—धारा 24(1)(x)
8. यहां धारा 24 के अधीन बाबा की गई कटौती की कुल राशि उपदर्शित की जानी है।
9. यहां "गृह संपत्ति में आय" शीर्ष के अधीन प्रभार्य शुद्ध आय (अर्थात् 6—8) इसमें उपदर्शित की जानी हैं।

पृष्ठ-3

ग. कारबार या वृत्ति के लाभ और अभिलाभ

1. कारबार या वृत्ति (सट्टे के कारबार से भिन्न)

कृपया आय की संगणना में संबंधित निम्नलिखित महत्वपूर्ण दस्तावेजों/जानकारी विवरणी के साथ प्रस्तुत कीजिए :

I. यदि नियमित लेखा-पुस्तकें रखी जाती हैं तो निम्नलिखित प्रतियां संलग्न कीजिए :

- (क) विनिर्माण लेखा, व्यापार लेखा, लाभ और हानि लेखा या आय और व्यय लेखा अथवा ऐसा ही कोई अन्य लेखा और तुलन-पत्र।
- (ख) यदि—
 - (i) कोई सांपत्तिक कारबार या वृत्ति है तो स्वत्वधारी का वैयक्तिक लेखा;
 - (ii) कोई फर्म, व्यक्ति-संगम या व्यष्टि निकाय है तो भागीदारों या सदस्यों के उनके अपने-अपने लेखे;
- (ग) जहां निर्धारित लेखाओं की संपरीक्षा की गई है, वहां संपरीक्षित लाभ और हानि लेखा तथा तुलनपत्र और संपरीक्षक की रिपोर्ट और लागत संपरीक्षा रिपोर्ट (यदि लागू हो) की प्रतियां।

II. यदि नियमित लेखा-पुस्तकें नहीं रखी जाती हैं तो एक विवरण संलग्न कीजिए जिसमें कारबार या वृत्ति के आवृत्ति या सकल प्राप्तियों, सकल लाभ, व्यय और शुद्ध लाभ की राशियाँ तथा वे आधाग जिन पर इन रकमों की संगणना की गई है, उपदर्शित हों और जिसमें कुल अन्यान्य श्रेणियों, अन्यान्य लेनदारों की रकमों व्यापार स्टॉक और नकद प्रतिशेष की स्थितिजैसी कि वह पूर्व वर्ष में थी, बताई गई हो।

III. (क) (i) यदि लेखाओं की संपरीक्षा धारा 44कख के अधीन की जाती है तो अपेक्षित विशिष्टियाँ गृहित ऐसी संपरीक्षा रिपोर्टें।

(ii) यदि निर्धारिती ने नियांत कारबार के लिए प्रतिधारित लाभ की बाबत धारा 80जजग के अधीन कटौती का दावा किया है तो अपेक्षित विशिष्टियाँ सहित कटौतियों से संबंधित लेखापाल की रिपोर्टें।

(iii) यदि निर्धारिती ने धारा 32कख या 80जजक या 80जजघ के अधीन कटौती का दावा किया है तो ऐसी कटौती/कटौतियों की बाबत, जिनका दावा किया गया है, लेखापाल की रिपोर्ट (रिपोर्टें)।

(ख) यदि धारा 44कग, 44ख, 44खख और 44खखक के उपबन्ध लागू होते हैं तो उनकी बाबत ब्यौरे दीजिए।

IV. संविदा कार्य में लगे निर्धारिती द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली अतिरिक्त जानकारी : यदि उस व्यक्ति द्वारा दी जाने वाली सामग्री का मूल्य, जिसके साथ संविदा की गई है या जिसके द्वारा प्रतिधारित प्रतिभूति निक्षेप की रकम को (किए गए काम के लिए देय संदाय में से) दर्शित सकल प्राप्तियों में सम्मिलित नहीं किया गया है, तो कृपया सामग्री का मूल्य और प्रतिभूति निक्षेप की रकम को दर्शित करने वाला विवरण संलग्न करें।

V. चलचित्र फिल्मों के उत्पादकों द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली अतिरिक्त जानकारी : कृपया यह उपदर्शित करें कि क्या चलचित्र फिल्मों के उत्पादन में लगे व्यक्तियों को संदाय का ब्यौरा धारा 285ख के अधीन संबद्ध निर्धारण अधिकारी को प्रस्तुत कर दिया गया है।

VI. किसी व्यापारी, दलाल, अभिकर्ता या स्टॉक या वस्तु विनिमय के प्रबन्ध से संबंधित कोई व्यक्ति, उन सभी व्यक्तियों के नाम और पताओं का ब्यौरा प्रस्तुत करेगा जिन्हें उसने या एक्सचेंज ने पूर्व वर्ष में कोई राशि या संकलित राशियाँ संदत्त की हैं :

(क) 'अन्तर' के रूप में 2,000 रुपए से अधिक;

(ख) आस्तियों के अन्तरण के संबंध में 10,000 रुपए से अधिक, चाहे वे आस्तियों के विक्रय के रूप में हों, विनिमय के रूप में हों या किसी और रूप में, या जिसकी ओर से या जिससे उसने या एक्सचेंज ने कोई राशि प्राप्त की है, विशिष्टियों सहित (ऐसे संदायों और प्राप्तियों की रकम, तारीख आदि)।

VII. यदि निर्धारिती ने पूर्व वर्ष के दौरान किराया, कमीशन, रायल्टी या दलाली या वार्षिकी का (जो "वेतन" शीर्ष के अधीन निर्धारण योग्य वार्षिकी नहीं है), और जो एक हजार रुपए से अधिक है, संदाय किया है तो पाने वालों के नाम और पते तथा संवत्स रकमों दर्शित करने हुए (संदाय की प्रकृति के अनुसार) विवरणी के साथ एक अलग कागज पर अलग-अलग विवरण प्रस्तुत किया जाना चाहिए। यदि पाने वाला व्यक्ति अनिवासी है तो यह उपदर्शित किया जाना चाहिए कि क्या कर की खोन पर कटौती की गई है और उस केन्द्रीय सरकार के नाम जमा कराने के लिए संरक्षित किया गया है या नहीं। कृपया 10,000 रुपए से अधिक मूल्य के विक्रय और क्रय के मामलों में व्यक्तियों के नाम और सकल रकमों को अन्तर्विष्ट करने वाली विवरण भी संलग्न करें।

VIII. यदि निर्धारिती धारा 192, 193, 194क, 194ख, 194खख, 194ग, 194घ, 194ङ या 195 के अधीन स्तोंत पर कर की कटौती के दायित्वाधीन है तो उल्लेख कीजिए कि क्या संबंधित निर्धारण अधिकारी को विहित विवरणियाँ प्रस्तुत कर दी गई हैं और ऐसी विवरणी (विवरणियाँ) प्रस्तुत करने की तारीख (तारीखें) विनिर्दिष्ट कीजिए।

लाभ और हानि लेखा के अनुसार शुद्ध लाभ/हानि

यहां कारबार/वृत्ति (सट्टे के कारबार से भिन्न) से लाभ और हानि लेखा के अनुसार लाभ/हानि का उल्लेख कीजिए। जहां निर्धारित का एक से अधिक कारबार या वृत्ति है या किसी समाप्त कर दिए गए कारबार/वृत्ति से कोई समझौता जाने वाला आय या आय है वहां ऐसे प्रत्येक कारबार/वृत्ति के लिए संगणना (इस उपभाग में दिये गए उसी प्रारूप का प्रयोग करते हुए) अलग-अलग कागज पर दी जानी चाहिए और उसे विवरणी के साथ संलग्न किया जाना चाहिए।

2. समायोजन

(क) कृपया ऐसी रकमों के परिवर्धन और कटौतियों को उपदर्शित कीजिए जिन्हें धारा 28 से 44 तक के अनुसार लाभ/हानि लेखा में समायोजित नहीं किया गया है।

(ख) कृपया विवरणी के साथ निम्नलिखित भी प्रस्तुत करें :

I. अवक्षयण भत्ता के संबंध में विनिर्दिष्टियां :

(क) आस्तियों के प्रत्येक ब्लाक की बाबत :

(i) पूर्व वर्ष के आरम्भ में उन आस्तियों का वर्णन जो ब्लाक का भाग है उनका अवलिखित मूल्य वर्ष के दौरान खरीदी गई आस्तियों का वर्णन और लागत तथा वर्ष के दौरान बेची गई किसी आस्ति का वर्णन और विक्रय कीमत ;

(ii) वर्ष के अन्त में अवलिखित मूल्य ;

(iii) वह दर जिस पर अवक्षयण का दावा किया गया है और अवक्षयण की रकम।

(ख) उन आस्तियों का विवरण जो आस्तियों के ब्लाक का भाग है और वर्ष के दौरान शत-प्रतिशत अवक्षयण के लिए पात्र है। कृपया यह भी उल्लेख कीजिए कि क्या इन आस्तियों में से किसी का वर्ष के दौरान विक्रय किया गया था और यदि ऐसा है तो ऐसी प्रत्येक आस्ति की बाबत विक्रय कीमत का अलग-अलग ब्यौरा दीजिए।

(ग) उन आस्तियों का विवरण जो आस्तियों के ब्लाक का भाग है, जो विध्वंसित हैं किन्तु जिसका अवलिखित मूल्य घटा कर शून्य कर दिया गया है क्योंकि किसी ऐसी आस्ति के अन्तर्ण पर, जो ब्लाक का भाग है, वर्ष के दौरान प्राप्त प्रतिफल का कुल मूल्य वर्ष के दौरान खरीदी गई उस ब्लाक की आस्ति की लागत सहित वर्ष के आरंभ में उक्त ब्लाक के अवलिखित मूल्य से अधिक है।

II. विनिधान भत्ता, विनिधान निक्षेप लेखा की बाबत विनिर्दिष्टियां :

(क) वर्ष के दौरान खरीदे गये ऐसे पोट या वायुयान या प्लांट या मशीनरी का ब्यौरा जिसकी बाबत विनिधान भत्ते का दावा किया गया है और उसकी दर (शास्त्र के अर्जन के समर्थन में सबूत भी संलग्न कीजिए)।

(ख) विनिधान निक्षेप लेखा स्कीम, 1986 के अनुसार विकास बैंक में किए गए निक्षेप (निक्षेपों) का ब्यौरा [धारा 32कख (1)(क)] निक्षेप (निक्षेपों) का सबूत संलग्न कीजिये।

(ग) ऐसे पोट या वायुयान या प्लांट या मशीनरी का ब्यौरा जिसकी बाबत विनिधान निक्षेप लेखा के अधीन कटौती का दावा किया गया है [धारा 32कख (1)(ख)] (क्रय के समर्थन में सबूत संलग्न कीजिए)।

(घ) विनिधान निक्षेप लेखा स्कीम, 1986 या विनिधान निक्षेप लेखा स्कीम, 1986 (चाय) के अनुसार निकाली गई रकम से खरीदी गई आस्तियों का ब्यौरा [नई आस्ति के क्रय, यथास्थिति, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक या राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक से निकाली गई रकमों और निकाले जाने की तारीख (तारीखें)] से संबंधित सबूत संलग्न कीजिए।

(ङ) राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक से निकाली गई रकम (रकमों) में से विनिधान निक्षेप लेखा स्कीम, 1986 (चाय) के अनुसार उपगत व्यय का रकम का विभाजन और निकाली गई रकम (रकमों) की तारीख (तारीखें) देते हुए, ब्यौरा।

3. जोड़िए और कटौती कीजिए वाले स्तंभों के नीचे (समायोजनों) को संकलित रकम अलग-अलग उपदर्शित कीजिए।
4. शुद्ध लाभ/हानि (अर्थात् 1 और 3 के समायोजनों के पश्चात् अतिशेष) यहां उपदर्शित किया जाना चाहिये।
5. रजिस्ट्रीकृत फर्म (फर्मों) के लाभ/हानि में अंश : स्थान एक फर्म से प्राप्त होने वाले अंश को उपदर्शित करने के लिए है। यदि निर्धारित एक से अधिक रजिस्ट्रीकृत फर्मों में भागीदार है तो यहां उपदर्शित इन्हीं स्तंभों का उपयोग करते हुए, रजिस्ट्रीकृत फर्मों के लाभ/हानि में ऐसे अंश का अलग-अलग उल्लेख कीजिये और उसे विवरणी के साथ लगाइए। कृपया फर्म (फर्मों) में वैयक्तिक लेखा (लेखाओं) की प्रति (प्रतियों) को संलग्न कीजिये।
6. समायोजन: "जोड़िए" और "कटौती कीजिए" स्तंभों के नीचे उन परिवर्धनों और कटौतियों का उल्लेख कीजिए जिनकी बाबत निर्धारित ऊपर 5 में दर्शित रजिस्ट्रीकृत फर्म के लाभ/हानि में अंश के संबंध में दायित्वाधीन है/उसका हकदार है और जिनका ऐसी रजिस्ट्रीकृत फर्म के मामले में पहले समायोजन नहीं किया गया है।
7. जोड़िए और कटौती की जाए वाले स्तंभों के नीचे समायोजनों की संकलित रकम अलग-अलग उपदर्शित कीजिये।
8. यहां शुद्ध लाभ/हानि (अर्थात् 5 और 7 के समायोजनों के पश्चात् अतिशेष) उपदर्शित किया जाना चाहिये।
9. I. कृपया यहां दिए गए स्थान में अलग-अलग अरजिस्ट्रीकृत फर्म/व्यक्ति संगम/व्यष्टि निकाय के लाभ या हानि में अंश का उल्लेख कीजिए और इन सभी का कुल जोड़ बाहरी स्तंभ में ले जाइए (जो लागू न हो उसे काट दीजिये) यदि दिया गया स्थान पर्याप्त नहीं है तो अलग कागज का उपयोग कीजिये और उसे विवरणी के साथ लगाइए।

II. निर्धारिनी को विवरणी के साथ निम्नलिखित भी प्रस्तुत करने चाहिये :

- (i) यदि किसी अरजिस्ट्रीकृत फर्म का भागीदार या किसी व्यक्ति संगम/व्यष्टि निकाय का सदस्य हो तो ऐसी अरजिस्ट्रीकृत फर्म/व्यक्ति संगम/व्यष्टि निकाय में उसका/उसके वैयक्तिक लेखा (लेखे),
- (ii) समाप्त किए जाने वाले कारबार/वृत्ति से संबंधित पूरा ब्यौरा अलग कागज पर,
- (iii) धारा 32क/32कख/33कग/80 जजघ (5) के अधीन उसकी आय समझी जाने वाली रकम (रकमों) का ब्यौरा,
- (iv) यदि किसी निर्धारिनी ने पूर्ण वर्ष के दौरान धारा 2(24)(X) में विनिर्दिष्ट किसी निधि के अभिदाय के रूप में किसी कर्मचारी से ऐसी आय प्राप्त की है जो "कारबार या वृत्ति के लाभ और अभिलाभ" शीर्ष या "अन्य स्रोतों से आय" शीर्ष के अधीन कर से प्रभावित है तो ऐसी आय और इसके साथ-साथ धारा 36(1)(Vक) में उल्लिखित नियत तारीख को या उसके पूर्व सुसंगत निधियों में कर्मचारी के लेखा में निर्धारिनी द्वारा जमा की गई राशियों का ब्यौरा।

III. यदि दिया गया स्थान पर्याप्त नहीं है तो ब्यौरा अलग कागज पर दीजिए और उसे विवरणी के साथ लगाइए।

10. "जोड़िए" और "कटौती कीजिए" स्तंभों के नीचे उन परिवर्धनों और कटौतियों का उल्लेख कीजिए जिनकी बाबत निर्धारित ऊपर 9 में दर्शित अरजिस्ट्रीकृत फर्म/व्यक्ति संगम/व्यष्टि निकाय के लाभ/हानि में अंश के सम्बन्ध में दायित्वाधीन है/उसका हकदार है और जिनका ऐसी अरजिस्ट्रीकृत फर्म/व्यक्तिसंगम/व्यष्टि निकाय के मामले में पहले समायोजन नहीं किया गया है।
11. जोड़िए और कटौती कीजिए वाले स्तंभों के नीचे समायोजनों की संकलित रकम को अलग-अलग उपदर्शित कीजिए।
12. शुद्ध लाभ/हानि (अर्थात् 9 और 11 के समायोजनों के पश्चात् अतिशेष) यहां उपदर्शित किया जाना चाहिए।
13. ऊपर 4, 8 और 12 में दर्शित अतिशेषों का शुद्ध परिणाम यहां उपदर्शित किया जाए।
14. I. पूर्ण वर्षों से अग्रणीत अनामेलित हानियों/भत्तों को यहां उपदर्शित कीजिए। कृपया मदों और रकमों को अलग-अलग विनिर्दिष्ट कीजिए। यदि दिया गया स्थान पर्याप्त नहीं है तो अलग कागज (कागजों) का उपयोग कीजिए और उन्हें विवरणी के साथ लगाइए।

- II. यदि जहां लाभ अग्रणीत हानियों/भत्तों तथा चालू अवक्षयण को जमागलित करने के लिए पर्याप्त नहीं है वहां उनकी निम्न-लिखित क्रम से कटौती की जानी चाहिए :

चालू वैज्ञानिक अनुसंधान व्यय [धारा 35(1)]
 चालू अवक्षयण [धारा 32(1)]
 अग्रणीत कारखार हानियां [धारा 72(1)]
 अनामेलित परिवार नियोजन संवर्धन पूजी व्यय [धारा 36(1)(ix)]
 अनामेलित अवक्षयण [धारा 32(2)]
 अनामेलित वैज्ञानिक अनुसंधान पूजी व्यय [धारा 35(4)]
 अनामेलित विकास भत्ता [धारा 33क(2)(ii)]
 चालू विकास भत्ता [धारा 32क(2)(i)]
 अनामेलित विनिधान भत्ता [धारा 32क(3)(ii)]
 चालू विनिधान भत्ता [धारा 32क(3)(i)]

15. यहां 13 और 14 का परिणाम [अर्थात् (सट्टे के कारखार से भिन्न) कारखार/वृत्ति से परिणामी आय/हानि] उपदर्शित कीजिए ।
16. सट्टे के कारखार से उपाजित आय को रकम का उल्लेख कीजिए । यदि यह रजिस्ट्रीकृत फर्म/अरजिस्ट्रीकृत फर्म/व्यक्ति संगम/व्यष्टि निकाय के अंश को प्रकट करती है तो उसका स्पष्ट रूप से उल्लेख किया जाना चाहिए और ऐसी रजिस्ट्रीकृत फर्म/अरजिस्ट्रीकृत फर्म/व्यक्ति संगम/व्यष्टि निकाय का पूर्ण व्यौरा जैसे भागीदारों/सदस्यों के नाम, उनके लाभ बांटने के अनुपात और ऐसी रजिस्ट्रीकृत फर्म/अरजिस्ट्रीकृत फर्म/व्यक्ति संगम/व्यष्टि निकाय में निर्धारिती के वैयक्तिक खाते की प्रति भी प्रस्तुत की जानी चाहिए और विवरणी के साथ लगाई जानी चाहिए ।
17. समायोजन : कृपया उन रकमों के परिवर्धन और कटौतियों को उपदर्शित कीजिए जिन्हें या तो लाभ/हानि खाते में समायोजित नहीं किया गया है, या यदि समायोजित किया गया है तो वे अनुशय रकमों से अधिक या कम हैं । उन परिवर्धनों और कटौतियों का भी उल्लेख किया जाना चाहिए जिनकी बाबत निर्धारिती रजिस्ट्रीकृत फर्म/अरजिस्ट्रीकृत फर्म/व्यक्ति संगम/व्यष्टि निकाय के लाभ/हानि में अंश के सम्बन्ध में दायित्वधीन है/उसका हकदार है और जिसका ऐसी रजिस्ट्रीकृत फर्म/अरजिस्ट्रीकृत फर्म/व्यक्ति संगम/व्यष्टि निकाय के मामले में पहले समायोजन नहीं किया गया है ।
18. समायोजनों की कुल रकम जोड़िए और कटौती कीजिए स्तम्भों के नीचे अलग-अलग उपदर्शित की जानी चाहिए ।
19. शुद्ध लाभ/हानि (अर्थात् 16 और 18 के समायोजनों के पश्चात् अतिशेष) यहां उपदर्शित किया जाना चाहिए ।
20. पूर्ववर्ती वर्ष (वर्षों) से अग्रणीत सट्टे से संबन्धित हानि को यहां उस परिणाम तक दिया जाना चाहिए जिस तक उसकी 19 के प्रति मुजराई दो जा सकती है । पूर्ववर्ती वर्ष (वर्षों) से अग्रणीत शेष सट्टा सम्बन्धी हानि को अलग कागज पर उपदर्शित किया जाना चाहिए ।
21. यहां सट्टे के कारखार से प्रभार्य आय (अर्थात् 19 और 20 का समायोजित अतिशेष) उपदर्शित कीजिए ।
22. 'कारखार या वृत्ति से शुद्ध प्रभार्य आय' (अर्थात् 15 + 21) यहां उपदर्शित कीजिए । यदि 21 की रकम हानि की है तो उसे 15 के प्रति समायोजित नहीं किया जा सकता । ऐसी दशा में 15 की रकम 22 के सामने उपदर्शित की जानी चाहिए ।

पृष्ठ 4

घ. पूजी अभिलाभ

1. अन्तरित आस्तियों का विवरण दें । अल्पकालिक और दीर्घकालिक आस्तियों के लिए पृथक स्तम्भ दिए गए हैं । तदनुसार अन्तरित आस्तियों को विशिष्टियां सम्बन्धित स्तम्भों में दो जाएं । यदि अन्तरण में दो से अधिक अल्पकालिक/दीर्घकालिक आस्तियां अन्तर्बलित हों तो पृथक संगणना पन्ना, दिए गए फार्म में, विवरणी के साथ संलग्न करें ।
2. यहां अर्जन की तारीख और वह अवधि जिसमें निर्धारिती ने आस्ति धारित की है, उपदर्शित कीजिए ।
3. यहां वह तारीख लिखें जिसको आस्ति अन्तरित की गई है ।
4. यहां वह सकल रकम, जो आस्ति के अन्तरण से प्राप्त की गई है/प्राप्य हो, उपदर्शित की जानी है ।

5. कृपया यहां उपदर्शित करें :

- (i) अर्जन की लागत : निर्धारित धारा आस्ति के अर्जन में उपगत लागत है या धारा 49 और धारा 55(2) के निबन्धनों के अनुसार लागत ।
- (ii) सुधार की लागत : 'गुलविल' के सम्बन्ध में यह 'शून्य' है जबकि अन्य आस्तियों के सम्बन्ध में यह आस्ति के सुधार में उपगत लागत है—धारा 55(1)(ख) ।
- (iii) अन्तरण की लागत : यह अन्तरण के सम्बन्ध में लागत है—धारा 48(1)(क)(i) ।

6. यहां 5 की कटौतियों की कुल राशि उपदर्शित करें ।

7. यहां अतिशेष रकम (4—6) उपदर्शित करें । यदि इसका परिणाम हानि हो तो, उसे (—) ऋण चिन्ह द्वारा उपदर्शित करें ।

8. अन्य कटौतियां : यहां अल्पकालिक और दीर्घकालिक पूंजी अभिलाभों के सम्बन्ध में अनुज्ञेय कटौतियां अलग-अलग उपदर्शित की जाएंगी । कृपया प्रत्येक मद, उसके अधीन कटौती-योग्य रकम सहित विनिर्दिष्ट करें । यदि स्थान अपर्याप्त हो तो पन्ना का प्रयोग करें । ये कटौतियां अनुज्ञेय नहीं होंगी यदि 7 के अतिशेष का परिणाम हानि हो ।

अनुज्ञेय कटौतियां निम्नलिखित हैं :

I. अल्पकालिक पूंजी अभिलाभ :

- (i) वह रकम जो धारा 54ख(1), 54घ(1) या 54छ(1) के अधीन छूट प्राप्त है ।
- (ii) वह रकम जो धारा 54ख(2), 54घ(2) या 54छ(2) के अधीन जमा की गई है ।

II. दीर्घकालिक पूंजी अभिलाभ :

- (i) वह रकम जो धारा 53, 54(1), 54(ख)(1), 54घ(1), 54च(1) या 54छ(1) के अधीन छूट प्राप्त है ।
- (ii) वह रकम जो धारा 54(2), 54ख(2), 54घ(2), 54छ(1), 54च(4) या 54छ(2) के अधीन जमा की गई है ।
- (iii) धारा 48(2) के अधीन

9. कृपया यहां अतिशेष रकम (7—8) उपदर्शित करें । यदि 7 के अतिशेष का परिणाम हानि हो तो उसे यह दोहराया जाए ।

10. यहां "पूंजी अभिलाभ" शीर्ष के अधीन आय समझी गई रकम उपदर्शित करें । कृपया प्रत्येक मद, उसके अधीन सम्मिलित किए जाने योग्य रकम सहित अलग-अलग विनिर्दिष्ट करें । ऐसी समझी गई आय से संबंधित सुसंगत उपबन्ध धारा 45(2)/(3)/(4)/(5), 50, 54(2), 54ख(2), 54घ(2), 54छ(2), 54च(4) और 54छ(2) में है ।

11. यहां पूंजी अभिलाभ समझी गई कुल रकम इसमें उपदर्शित की जानी है । यह अल्पकालिक और दीर्घकालिक आस्तियों के संबंध में अलग-अलग उपदर्शित की जाए ।

12. यहां अल्पकालिक और दीर्घकालिक पूंजी अभिलाभों के लिए 9 और 11 के शुद्ध परिणाम अलग-अलग उपदर्शित करें ।

13. यहां दीर्घकालिक आस्तियों से संबंधित पूर्वोक्त वर्षों में अग्रणीत हानि उपदर्शित करें ।

14. यहां "पूंजी अभिलाभ" शीर्ष के अधीन अल्पकालिक और दीर्घकालिक पूंजी अभिलाभ/हानि की शुद्ध रकम उपदर्शित करें ।

ऊ. अन्य स्रोतों से आय :

1. (क) कृपया लाभांश की सकल उल्लिखित करें । निम्नलिखित जानकारी देते हुए पृथक पन्ना संलग्न करें :—

- (i) कंपनी का नाम
- (ii) शेयरों की संख्या;
- (iii) लाभांश की सकल रकम;
- (iv) स्रोत पर कटौती किया गया कर ।

यदि निर्धारित नीति ने धारा 2(22)(ग) के अधीन उल्लिखित प्रकृति की कोई राशि प्राप्त की है और जो लाभान्वित समझी गई है तो कंपनी का नाम और पता, प्राप्त संदाय की प्रकृति और इस प्रकार राशि बताते हुए विवरण प्रस्तुत करें।

कृपया लाभान्वित अधिपत्र और अन्य समर्थक साक्ष्य संलग्न कीजिए।

- (ख) कृपया प्राप्त किए गए/प्राप्य व्याज की सकल रकम को उल्लिखित करें। प्राप्त किया गया/प्राप्य व्याज की प्रत्येक मद के संबंध में जानकारी देते हुए पृथक पत्रा संलग्न करें और समर्थक साक्ष्य संलग्न करें।
- (ग) यहाँ लाटरी, बर्ग पहली और दौड़ आदि से हुई जीत की सकल रकम लिखें और यदि दो या अधिक मदें हों तो पृथक संगणना संलग्न करें, और समर्थक साक्ष्य संलग्न करें।
- (घ) 'अन्य स्रोतों से आय' शीर्ष के अधीन प्रभाष्य अन्य आय विनिर्दिष्ट करें।

2. यहाँ सकल प्राप्तियों की कुल राशि उपदर्शित की जानी है।

3. मवधीन दावा की गई कटौतियों की मदें और रकमें विनिर्दिष्ट करें। सुसंगत उपबंध धारा 57 में हैं।

4. यहाँ दावा की गई कटौतियों का योग उपदर्शित करें।

5. यहाँ "अन्य स्रोतों से आय" शीर्ष के अधीन प्रभाष्य शुद्ध आय (अर्थात् 2—4) लिखें।

पृष्ठ 5

च. कुल आय का विवरण

1. यहाँ आय के विभिन्न शीर्षों के अधीन मद क से ऊ के सामने कर से प्रभाष्य शुद्ध रकमों का उल्लेख कीजिए। यह सही होनी चाहिए जो क्रमशः मद क 8 और ख 9 के सामने पृष्ठ 2 पर, मद ग 22 के सामने पृष्ठ 3 पर और मद घ 14 और 5 के सामने पृष्ठ 4 पर उपदर्शित की गई हैं।

2. यहाँ क से ऊ की कुल राशि उपदर्शित की जाए।

3. 1. यहाँ अध्याय 6-क के अधीन दावा की गई कटौतियों उपदर्शित की जाएं। इन कटौतियों की संकलित रकम योग में दिखाये जाएं।

II. कृपया संदाय/अभिदाय की सकल रकम की संगणना, अहंक रकम और दावा की गई कटौती की शुद्ध रकम लिखें। यदि दिया गया स्थान अपर्याप्त हो तो, संगणना, पृथक पत्र पर दें और उसे विवरणी के साथ संलग्न करें।

III. कृपया दावा के समर्थन में संदाय/अभिदाय का सबूत भी संलग्न करें।

अध्याय 6क के अधीन पात्र कटौतियों का संबंध निम्नलिखित से है :

(i) जीवन बीमा प्रीमियम, भविष्यनिधि अभिदाय, आवासिक संपत्ति के ऋण/संनिर्माण के लिए सरकार/बैंक आदि से लिए गए उधारों की किस्त/आणिम संदाय/प्रतिसंदाय अहंक रकमों की संपूर्ण अधिकतम सीमा लेखक, नाटककार, कलाकार, संगीतज्ञ, अभिनेता या खिलाड़ी (जिसके अंतर्गत खेलकूद में भाग होने वाला है) की दिशा में 60,000 रुपये और किसी व्यक्ति या हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब या व्यक्तियों के किसी संगम या व्यष्टियों के किसी निकाय की दशा में 40,000 रु० है। इस धारा के अधीन कटौती की गणना इस प्रकार की जाएगी :

पहले 6000 रु०	100 प्रतिशत
अगले 6000 रु०	50 प्रतिशत
अतिरिक्त	40 प्रतिशत (धारा 80 ग)

(ii) कुछ नए नियमों में अधिकतम विनिधान 20,000 रु० तक। कटौती, विनिधान की गई रकम के 50 प्रतिशत की दर से अनुज्ञात है। उदाहरणार्थ वह निर्धारित जो 25,000 रु० का विनिधान करता है, 10,000 रु० (अर्थात् 20,000 रु० का अधिकतम सीमा का 50 प्रतिशत) कटौती प्राप्त करेगा। (धारा 80 गग)

(iii) राष्ट्रीय बचत स्कीम, 1987 के अधीन निक्षेप या जीवन बीमा निगम की आस्थिगत वार्षिकी योजना में संदाय। ये अधिकतम सीमा 30,000 रु० के अधीन रहते हुए, 100 प्रतिशत की दर से कटौती योग्य हैं। (धारा 80 गगक)

- (iv) चिकित्सा बीमा के लिए साधारण बीमा निगम को संदत्त प्रीमियम। चिकित्सा बीमा के लिए संदत्त प्रीमियम की बाबत अधिकतम सीमा 3000 रु० है। (धारा 80घ)
- (v) कतिपय निधियों, पूर्ण संस्थाओं आदि को दान कतिपय निधियों, पूर्ण संस्थाओं आदि को केवल वही नकद दान धारा 80छ के अधीन कटौती के लिए पात्र होगा जिसका योग 25 0 रु० से अधिक है। संपूर्ण अधिकतम सीमा सकल कुल आय को 10 प्रतिशत है (जिसमें से वह रकम घटा दी जाएगी जिस पर कोई कर संदेय नहीं है या जिसके प्रति निर्देश से करदाता अध्याय 6-क के अधीन किसी कटौती का हकदार है)। (धारा 80छ).
- (vi) सुसज्जित या असज्जित निवास स्थान के लिए संदत्त किराया। करदाता, जो कोई मकान किराया भत्ता प्राप्त नहीं कर रहा है, वर्गीकृत शहरों में से किसी एक में जिसमें नगर बस्ती भी है, स्थित निवास स्थान के लिए संदत्त किराया की बाबत कटौती का पात्र है। कुल आय के 10 प्रतिशत से अधिक संवत् किराया की बाबत, संपूर्ण अधिकतम सीमा 1000 रु० प्रतिमास या कुल आय के 25 प्रतिशत के, इनमें से जो भी कम हो, अधीन रहते हुए, कटौती अनुज्ञेय है। (धारा 80छछ)
- (vii) वैज्ञानिक अनुसंधान, ग्राम विकास के लिए दान/वैज्ञानिक अनुसंधान या ग्राम विकास या प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए कतिपय दानों की बाबत धारा 80छछक के अधीन 100 प्रतिशत कटौती उपलब्ध है।
- (viii) कुछ शर्तों के अधीन रहते हुए, पिछड़े क्षेत्रों में नये स्थापित औद्योगिक उपक्रमों या होटल कारबार से लाभों और अभिलाभों का 20 प्रतिशत। (धारा 80ज)
- (ix) कुछ शर्तों के अधीन रहते हुए, कुछ क्षेत्रों में नए स्थापित लघु औद्योगिक उपक्रमों से लाभों और अभिलाभों का 20 प्रतिशत। (धारा 80जक)
- (x) कुछ शर्तों के अधीन रहते हुए, भारत से बाहर परियोजनाओं से लाभों और अभिलाभों का 50 प्रतिशत। (80जख)
- (xi) कुछ शर्तों के अधीन रहते हुए, विनिर्दिष्ट माल या वाणिज्य के निर्यात से, यदि विक्रय आगम संपरिवर्तनीय विदेशी मुद्रा में प्राप्य है प्राप्त लाभों और अभिलाभों का 100 प्रतिशत। (धारा 80जज)
- (xii) कुछ शर्तों और विनिर्दिष्ट प्रयोजनों के अधीन रहते हुए, विदेशी पर्यटकों के प्रति की गई सेवाओं के लिए अनुमोदित होटलों या यात्रा अभिकर्ताओं या पर्यटन आपरेटरों की आय, यदि प्राप्तियां लाभ और हानि लेखा में नामे डाले गए और आरक्षित लेखा में जमा किए गए सुसंगत पूर्व वर्ष के ऐसे लाभ के अतिशेष को जोड़ कर, ऐसी सेवाओं से लाभ के 50 प्रतिशत तक विदेशी मुद्रा में संपरिवर्तनीय है। (धारा 80जघ)
- (xiii) कुछ शर्तों के अधीन रहते हुए, 31-3-1981 के पश्चात् स्थापित औद्योगिक उपक्रमों से लाभों और अभिलाभों का 20 प्रतिशत। (धारा 80जङ)
- (xiv) लाभांश, ब्याज, आय आदि। कतिपय श्रेयों, यूनिटों आदि में लाभांश, निक्षेपों पर ब्याज के रूप में आय, 13000 रु० की संपूर्ण अधिकतम सीमा तक कटौती के लिए पात्र है। (धारा 80ठ)
- (xv) परिवर्तनीय सीमाओं और कतिपय शर्तों के अधीन रहते हुए, सहकारी सोसाइटियों की विनिर्दिष्ट आय। (धारा 80ड)
- (xvi) कुछ शर्तों के अधीन रहते हुए भारतीय भाषाओं में पाठ्यपुस्तकों के लेखाओं की वृत्तिक आय का 25 प्रतिशत। (धारा 80छछक)
- (xvii) प्राचार्यों, शिक्षकों आदि की दशा में कतिपय विदेशी स्रोतों से पारिश्रमिक—ऐसे पारिश्रमिक का 50 प्रतिशत धारा 80द के अधीन कटौती के लिए पात्र है।
- (xviii) कुछ शर्तों के अधीन रहते हुए लेखकों, नाटकारों, कलाकारों संगीतज्ञों, अभिनेताओं या खिलाड़ियों (जिनके अंतर्गत खेलकूद में भाग लेने वाले भी हैं) की दशा में विदेशी स्रोतों से वृत्तिक आय का 25 प्रतिशत। (धारा 80दब)
- (xix) भारत के बाहर की गई सेवाओं के लिए प्राप्त पारिश्रमिक—संपूर्ण अधिकतम सीमा ऐसे पारिश्रमिक की 50 प्रतिशत या भारत में विदेशी मुद्रा विनिमय के अनुसार लाए गए पारिश्रमिक का 75 प्रतिशत, इनमें से जो भी अधिक हो, है। (धारा 80दक)

(20) उन व्यष्टियों द्वारा, जो पूर्णतः अन्धे हैं या स्थायी रूप से विकलांग हैं या मानसिक मंदता से ग्रस्त हैं, 15,000 रु० की कटौती का दावा किया जा सकता है। (धारा 80य)

4. यहां कर में प्रभाय कुल आय (2-3) दी जानी है।

5. और 6. यहां उपबंधित रीति से इस रूप के निकटतम गुणज तक पूर्णांकित कुल आय का शब्दों और अंकों दोनों में उल्लेख दीजिए।

7. यहां सुसंगत वित्त अधिनियम की पहली अनुसूची के भाग 4 के अनुसार संगणित शुद्ध कृषि आय दी जानी है।

8. यहां अन्य व्यक्तियों को उद्भूत आय, जो निर्धारित की कुल आय में सम्मिलित की गई है, दी जानी है।

9. यहां ऐसे अन्य व्यक्ति का नाम और नातेदारी दीजिए।

10. यदि किसी आय पर कर, विशेष दर से जैसे लाटरी आदि से जीत की बाबत धारा 115 खख के अधीन या अनिवासी भारतीय की दशा में धारा 115ड के अधीन या अधिनियम के किसी अन्य उपबन्ध के अधीन अधिकतम माजिन दर से प्रभाय है तो उसका ब्योरा पृथक् पन्ने पर दीजिए।

भाग 2. करों का विवरण

1. यहां कुल आय पर संदेय कुल कर दिया जाना है।

2. यहां उपदर्शित करें:

(क) धारा 89(1) के अधीन राहत

(ख) अरजिस्ट्रीकृत फर्म/व्यक्ति संगम/व्यष्टि निकाय से शेयर आय की बाबत आयकर की औसत दर से रिबेट।

3. यहां संदेय आय-कर की अतिशेष रकम उपदर्शित करें (अर्थात् 1-2)

4. यहां विलम्ब से विवरणी फाइल करने के लिए, अग्रिम कर के संदाय में व्यक्तिगत के लिए या अग्रिम कर के आस्थागन के लिए प्रभाय ब्याज अलग-अलग दीजिए। इनकी संगणना धारा 234क धारा 234ख और धारा 234 ग में अधिकथित रीति से की जाएगी।

5. यहां संदेय कर और ब्याज की कुल रकम (3+4) उपदर्शित की जानी है।

6. इन प्रयोजनों के लिए दिए गए तत्संबंधी स्तंभों में (क) अग्रिम कर की किस्तों और (ख) स्रोत पर कटौती किए गए करों का ब्योरा दें। धारा 206 ग के अधीन स्रोत पर संगृहीत कर 'कोई अन्य मद' के सामने उपदर्शित किया जाएगा।

7. स्वतः निर्धारण पर (अर्थात् विवरणी फाइल करने से पहले) संदत्त कर और ब्याज का ब्योरा दें और इस प्रकार संदत्त रकम के समर्थन में चालान संलग्न करें।

8. यहां अन्य पूर्व संदत्त कर, यदि कोई हों, उपदर्शित किए जाने हैं। कृपया ऐसे समुदाय का सबूत संलग्न करें।

9. यहां संदत्त कर की कुल राशि दी जानी है (अर्थात् 6+7+8)।

10. यहां यथास्थिति, संदेय या प्रतिदेय शुद्ध कर, उपदर्शित किया जाना है। प्रतिदाय को उपदर्शित करने के लिए इसे ऋण (-) के चिह्न से दर्शाएं।

पृष्ठ-6

भाग—III

कारबार या वृत्ति से संबंधित ब्योरा

1.

(क) वह/वे पूरा नाम और पता/पते दीजिए जिसमें/जहां कारबार/वृत्ति की जाती है। यदि दिया गया स्थान पर्याप्त नहीं है, तो कृपया ऐसा/ऐसे नाम और पता(पते) अलग-कागज पर लिखें और विवरणी के साथ संलग्न करें।

- (ख) शाखा (शाखाओं) का (के) पूरा नाम और पता (पते) दीजिए ।
- (ग) कारबार की दशा में कृपया यह विनिर्दिष्ट कीजिए कि यह व्यापार/विनिर्माण/थोक/खुदरा विक्रय/निर्यात/आयात आदि है और वह/वे मुख्य मद (मदें) कौन सी हैं/हैं जिसका व्यापार किया जा रहा है । यदि वृत्ति है तो वृत्ति के नाम का उल्लेख कीजिए ।
- (घ) मुसगत पर रिशान लगाइए और अन्य काट दीजिए ।
- (ङ) कृपया उल्लेख कीजिए कि यह "लागत" या "बाजार कीमत" या "अन्य" है । यदि "अन्य" है तो उसका नाम और पदार्थ दीजिए ।
2. कृपया यहां समुचित स्तंभों में पूर्ण जानकारी दीजिए ।
3. 1. यहा कारबार या वृत्ति के लाभों और अभिलाषों से आय की संगणना में दावा की गई कटौतियों की विनिर्दिष्ट विशिष्टता दीजिए । यदि कटौती का दावा विनिधान निक्षेप लेखा की बाबत किया जाता है तो कृपया आवश्यक प्रमाणपत्र संलग्न कीजिए ।
2. कृपया दिए गए स्थान में अवक्षयण के कारण की गई कटौती को उपदर्शित कीजिए । शेष स्थान का प्रयोग निम्नलिखित के संबंध में अनुज्ञेय कटौतियों को उपदर्शित करने के लिए कीजिए :

मद	धारा
(1) विनिधान भत्ता	32क
(2) विनिधान निक्षेप लेखा	32कख
(3) विकास भत्ता	33क
(4) चाय विकास भत्ता	33कख
(5) पुनर्वास भत्ता	33घ
(6) वैज्ञानिक अनुसंधान पर व्यय	35
(7) पेटेंट अधिकार या प्रतिलिप्यधिकार पर व्यय	35क
(8) व्यवहार ज्ञान पर व्यय	35कख
(9) संगमों और संस्थाओं को	
(क) ग्रामीण विकास कार्यक्रमों तथा	35गक
(ख) प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के कार्यक्रमों को करने के लिए संदाय	35गख
(10) प्रारम्भिक व्ययों का उपकरण	35घ
(11) कुछ खनिजों के पूर्वेक्षण पर व्यय	35ङ
(12) कर्मचारियों को बोनस	36(i) (ii)
(13) उधार ली गई पूंजी पर ब्याज	36 (1) (iii)
(14) डूबंत ऋण	36 (1) (vii)
(15) सत्कार व्यय	37
(16) निम्नलिखित पर व्यय :	
(ग) विज्ञापन	37
(घ) यात्रा	37

पृष्ठ 7

भाग-4

आय जिसके लिए छूट का दावा किया गया है ।

1. यहा आय जिसके लिए छूट का दावा किया गया है, उपदर्शित की जाएगी,। ऐसी आय की मद के लिए जिसके लिए छूट का दावा किया गया है, कृपया उसकी प्रकृति, वह रकम जिसके लिए छूट का दावा किया गया है और उस दावे के लिए कारण विनिर्दिष्ट करें ।

भाग-5 संलग्न दस्तवेजों/विवरणों की सूची

3. उस पर हस्ताक्षर करने से पहले सत्यापन के नीचे दिए गए विनिर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। सत्यापन में सभी ससंगत स्तंभों को भरें। उपर्युक्त रूप में स्थान और तारीख लिखें।

प्रश्न सं. 3

प्राय की विवरणी

रसीद सं० _____

[नियम 12(1)(ख)(iii) देखिए]

तारीख _____

[ऐसे निर्धारितियों के लिए (कंपनियों और उन व्यक्तियों से, जो पूर्व और धार्मिक प्रयोजनों के लिए धारित संपत्ति से आय प्राप्त करते हैं तथा धारा 11 के अधीन छूट का दावा करते हैं, भिन्न) जिनकी कुल आय के अन्तर्गत कारखार या वृत्ति के लाभ और अभिलाभ नहीं हैं]

(कृपया इस प्रश्न को भरने से पहले संलग्न टिप्पण
ध्यानपूर्वक पढ़ें)

1. मूल/संशोधित/धारा 148/237 के अधीन

2. निधारण वर्ष 19
- | | |
|--|--|
| | |
|--|--|
-
- | | |
|--|--|
| | |
|--|--|

3. यदि संशोधित विवरणी है तो मूल विवरणी फाइल करने का रसीद संख्यांक और तारीख

4. स्थायी लेखा संख्यांक/जी. आई. आर. सं०

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----

5. नाम (पहले उपनाम) (स्पष्ट अक्षरों में)

6. प्रास्थिति
- | | |
|--|--|
| | |
|--|--|

7. निवास प्रास्थिति
-
-

0	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----

8. वार्ड/सर्किल/रेंज

9. कार्यालय का पता (स्पष्ट अक्षरों में)

10. निवास का पता (स्पष्ट अक्षरों में)

[illegible]

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----

टेलीफोन | | | | | पिन | | | |

टेलीफोन [] [] [] [] [] पिन [] [] [] []

11. कृपया लिखिए :

- (क) क्या आप भारत के नागरिक हैं ?

हां/नहीं

- (घ) क्या यह आपका पहला निधरण है ?

हां/नहीं

- (ख) क्या आप भारतीय उद्भव के व्यक्ति हैं ?

हां/नहीं

- (ड) क्या आपका धन-कर के लिए निधिरण किया गया है ?

हां/नहीं

- (ग) क्या आप अनिवासी भारतीय हैं जिनके मामले में आय के किसी भाग पर अध्याय 12क के

- (च) क्या आपने किसी दोहरे कराधान से राहत का दावा किया है ?

- उपबंधों के अनुसार कर लगाया जाएगा? हाँ/नहीं

हाँ/नहीं

- (i) विदेशों से करार के अधीन हां/नहीं

हां/नहीं

- (ii) उन देशों के बारे में जिनके साथ कोई

करार नहीं है

हां/नहीं

(यदि हां तो कृपया पृथक पत्रे पर व्यौरा दें)

देश का नाम-----

भाग—1 आय जिनके अन्तर्गत अन्य व्यक्तियों की आय भी है जो निर्धारित की कुल आय में सम्मिलित किए जाने योग्य है और शुद्ध कृषि आय की संगणना क. वेतन

सरकारी हां/नहीं

नियोजक का नाम और पता

1. वेतन (सभी भत्तों सहित) _____ रु.
2. घटाइए: धारा 10 के अधीन
छूट प्राप्त भत्ते _____ रु.
(क) _____ रु.
(ख) _____ रु.
(ग) _____ रु. _____ रु.
3. अतिशेष (1—2) _____ रु.
4. जोड़िए
(क) _____ रु.
(ख) _____ रु.
(ग) _____ रु.
(घ) _____ रु.
5. योग (3 + 4) _____ रु०
6. कटौती कीजिए:
(क) मानक कटौती _____ रु.
(ख) _____ रु.
(ग) _____ रु.
7. 6 की कटौतियों का योग _____ रु.
8. वेतन शीर्ष के अधीन प्रभार्य आय
(5—7) _____ रु.

ख. गृह संपत्ति से आय

1. संपत्ति का पता _____
2. स्वयं के अधिभोग में हां/नहीं 3. वा.कि.मू./वार्षिक किराया _____ रु.
4. घटाइए:
(क) _____ रु.
(ख) _____ रु.
(ग) _____ रु.

5. 4 का योग _____ रु.
6. अतिशेष (3-5) _____ रु.
7. अन्य कटौतियां :
- (क) मरम्मत _____ रु.
- (ख) _____ रु.
- (ग) _____ रु.
- (घ) _____ रु.
- (ङ) _____ रु.
- (च) _____ रु.
- (छ) _____ रु.
- (ज) _____ रु.
- (झ) _____ रु.
8. 7 का योग _____ रु.
9. गृह संपत्ति से आय वीर्य के अधीन प्रभाव्य आय (6-8) _____ रु.

ग. पूंजी अभिलाभ

अल्पकालिक आस्तियां

दीर्घकालिक आस्तियां

- | | | | | |
|---|-------------------------|-----------|-----------|-----------|
| 1. अंतरित आस्ति की विशिष्टियां | _____ रु. | _____ रु. | _____ रु. | _____ रु. |
| 2. अन्तरण के पूर्व धारण अवधि | _____ रु. | _____ रु. | _____ रु. | _____ रु. |
| 3. अन्तरण की तारीख | _____ रु. | _____ रु. | _____ रु. | _____ रु. |
| 4. प्रतिकल का पूरा मूल्य | _____ रु. | _____ रु. | _____ रु. | _____ रु. |
| 5. कटौतियां : | | | | |
| (i) अर्जन की लागत | _____ रु. | _____ रु. | _____ रु. | _____ रु. |
| (ii) सुधार की लागत | _____ रु. | _____ रु. | _____ रु. | _____ रु. |
| (iii) अन्तरण की लागत | _____ रु. | _____ रु. | _____ रु. | _____ रु. |
| 6. 5 की कटौतियों का योग | _____ रु. | _____ रु. | _____ रु. | _____ रु. |
| 7. अतिशेष (4-6) | _____ रु. | _____ रु. | _____ रु. | _____ रु. |
| 8. अन्य कटौतियां घटाइए | _____ रु. | _____ रु. | _____ रु. | _____ रु. |
| 9. अतिशेष (7-8) | _____ रु. | _____ रु. | _____ रु. | _____ रु. |
| 10. जोड़िए : | | | | |
| वह रकम जो पूंजी अभिलाभ समझी गई हैं | | | | |
| (कृपया विनिश्चित करें) | | | | |
| (क) | _____ रु. | _____ रु. | _____ रु. | _____ रु. |
| (ख) | _____ रु. | _____ रु. | _____ रु. | _____ रु. |
| 11. योग [10 (क) + 10 (ख)] | _____ रु. | _____ रु. | _____ रु. | _____ रु. |
| 12. योग (9 ± 11) | _____ रु. | _____ रु. | _____ रु. | _____ रु. |
| 13. दीर्घकालिक आस्तिओं से संबंधित अग्रणीत की गई हानियां घटाइए | _____ रु. | _____ रु. | _____ रु. | _____ रु. |
| 14. पूंजी अभिलाभ की शुद्ध रकम | | | | |
| | अल्पकालिक पूंजी अभिलाभ | _____ रु. | | |
| | दीर्घकालिक पूंजी अभिलाभ | _____ रु. | | |

घ. अन्य स्रोतों से आय

1. (क) लाभांश _____ रु.
- (ख) व्याज _____ रु.
- (ग) लाटरी, बर्ग पहेली, दौड़ आदि
से जीत _____ रु.
- (घ) अन्य _____ रु.
2. 1(क) से 1(घ) का योग _____ रु.
3. घटाइए: कटौतियां (कृपया विनिर्दिष्ट करें)
_____ रु.
_____ रु.
_____ रु.
4. 3 की कटौतियों का योग _____ रु.
5. अन्य स्रोतों से शुद्ध प्रभावी आय (2—4)

ङ कुल आय का विवरण

1. क. वेतन (मद क-8) _____ रु.
- ख. गृह संपत्ति से आय (मद ख-9) _____ रु.
- ग. पूंजी अभिलाभ
(1) अल्पकालिक पूंजी अभिलाभ _____ रु.
(मद ग-14)
(2) दीर्घकालिक पूंजी अभिलाभ _____ रु.
- घ. अन्य स्रोतों से आय (मद घ-5) _____ रु.
2. सकल कुल आय (क से घ तक)
3. घटाइए: अध्याय 6-क के अधीन
कटौतियां
(क) _____ रु.
(ख) _____ रु.
(ग) _____ रु.
(घ) _____ रु.
(ङ) _____ रु.
- योग _____ रु.
4. अतिशेष (2-3) _____ रु.
5. कुल आय (दस रुपए के निकटतम
गुणज पूर्णांकित)
(शब्दों में) _____ रु.

6. शुद्ध कृषि आय दर के प्रयोजनों के लिए _____ रु.
7. मद क से घ तक में सम्मिलित आय की रकम जो पति या पत्नी/अवयस्क संतान/पुत्र की पत्नी/पुत्र की अवयस्क संतान या किसी अन्य व्यक्ति या व्यक्तियों के संगम का उद्भूत होने वाली आय है। _____ रु.
8. ऐसे व्यक्ति का नाम और नातेदारी _____ रु.
9. मद क से घ तक में सम्मिलित आय जिस पर विशेष दर से प्रभाव है _____ रु.

भाग 2. करों का विवरण

1. कुल आय पर कर
- (क) विशेष दरो से _____ रु.
- (ख) सामान्य दरो से _____ रु.
2. घटाइए: धारा 89(1) के अधीन राहत _____ रु.
3. प्रतिशेष (1-2) _____ रु.
4. जोड़िए :
- (क) विलंब से विवरणी फाइल करने पर ब्याज _____ रु.
- (ख) अग्रिम कर के संदाय में व्यक्तिगत के लिए ब्याज _____ रु.
- (ग) अग्रिम कर के आस्थगन के लिए ब्याज _____ रु. योग _____ रु.
5. संदेय कुल कर और ब्याज (3+4) _____ रु.
6. पूर्व संदेय कर (क) अग्रिम कर की किम्मे (चालान संलग्न कीजिए)

	पहली	दूसरी	तीसरी	योग
रकम (रुपए)				
तारीख				
बैंक का नाम				
शाखा				

(ख) स्रोत पर कटीती किया गया कर (प्रमाणपत्र संलग्न कीजिए)

(i) वेतन _____ रु.

(ii) ब्याज _____ रु.

(iii) लाभांश _____ रु.

(iv) कोई अन्य मद
(कृपया विनिर्दिष्ट कीजिए) _____ रु. योग _____ रु.

7. स्वतः निर्धारण पर कर (चालान संलग्न कीजिए)

रकम

मंदाय की तारीख

आय-कर मद 4 के अनुसार
ब्याज

____ 19 ____ रु. _____ रु. योग _____ रु.

8. अन्य पूर्व सदन कर, यदि कोई हो (विनिर्दिष्ट करें और संयुक्त संलग्न करें) _____ रु.

9. मद (6 से 8) का योग _____ रु.

10. संदेय या प्रतिदेय शुद्ध कर (अर्थात् 5 और 9 का अन्तर) _____ रु.

भाग 3. आय जिसके लिए छूट का दावा किया गया है

1. आय की प्रकृति रकम (रु.) दावे के लिए कारण

(क)

(ख)

(ग)

(घ)

भाग 1. संलग्न दस्तावेजों/विवरणों की सूची

1.

- (क)
(ख)
(ग)
(घ)
(ङ)
(च)
(छ)
(ज)
(झ)

2. सत्यापन

मैं (स्पष्ट अक्षरों में पूरा नाम) जो
..... *का पुत्र/की पुत्री/पत्नी हूँ सत्यानिष्टा से घोषणा करता/करती हूँ कि इस विवर
और इससे संलग्न उपबन्धों और विवरणों में जो गई जानकारी []-[] में सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार
सही और पूर्ण है और उनमें दंशित कुल आय की रकम और अन्य विशिष्टियों का उल्लेख सही-सही किया गया है और ये निर्धारण वर्ष 19 से
मुसंगत पूर्व वर्ष (वर्षों) के संबंध में हैं।

*मैं सत्यानिष्टा से यह घोषणा भी करता/करती हूँ कि उक्त पूर्व वर्ष (वर्षों) के दौरान:—

(क) मुझे मेरे नाम में या किसी अन्य व्यक्ति के नाम में धारित किसी आस्ति से कोई अन्य आय न तो प्रोद्भूत हुई है, और
न उद्भूत हुई है, और न प्राप्त हुई है,

(ख) किसी अन्य व्यक्ति की आय सहित ऐसी कोई अन्य आय नहीं है जिसकी बाबत में आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन
कर से प्रभाव्य है।

*मैं सत्यानिष्टा से यह घोषणा भी करता/करती हूँ कि उक्त पूर्व वर्ष (वर्षों) के दौरान—

(क) *उस व्यक्ति के, जिसके लिए और जिसकी ओर से यह विवरणी दी जा रही है, *उस व्यक्ति का जिसकी कुल आय की बाबत
मेरा निर्धारण किया जा सकता है, *उस व्यक्ति को जिसके लिए और जिसकी ओर से यह विवरणी दी जा रही है, *उस व्यक्ति के जिसकी
कुल आय की बाबत मेरा निर्धारण किया जा सकता है, नाम में या किसी अन्य व्यक्ति के नाम में धारित किसी आस्ति से कोई अन्य
आय न तो प्रोद्भूत हुई है, न उद्भूत हुई है और न प्राप्त हुई है;

(ख) किसी अन्य व्यक्ति की आय सहित ऐसी कोई अन्य आय नहीं है जिसकी बाबत उक्त व्यक्ति आयकर अधिनियम, 1961
के अधीन कर से प्रभाव्य है।

*मैं यह भी घोषणा करता/करती हूँ कि मैं यह विवरणी (पदनाम) की हैसियत से तैयार
कर रहा/रही हूँ और मैं यह विवरणी तैयार करने और इसको सत्यापित करने के लिए सक्षम हूँ।

स्थान

तारीख

** (नाम और हस्ताक्षर)

*जो लागू न हो उसको काट दीजिए।

** घोषणा पर हस्ताक्षर करने के पूर्व हस्ताक्षरकर्ता को अपना समाधान करना चाहिए कि यह विवरणी और इसके साथ के उपबन्ध
और विवरण सही और सभी प्रकार से पूर्ण हैं। कोई भी व्यक्ति जो इस विवरणी या इसके साथ के उपबन्ध या विवरणों में कोई मिथ्या
कथन करेगा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 277 के अधीन अभियोजन के लिए दायी होगा और दोषसिद्धि पर उक्त धारा
के अधीन कठिन कारावास और जर्माने से दण्डनीय होगा।

प्रारूप सं. 3

[आय-कर अधिनियम, 1961/नियम 12(1)(ख)(iii)]

टिप्पण

सामग्य

(1) प्रारूप सं. 3 ऐसे निर्धारितियों (कंपनियों और उन व्यक्तियों से जो पूर्व या धार्मिक प्रयोजनों के लिए धारित मंपनि से आय प्राप्त करते हैं, तथा धारा 11 के अधीन छूट का दावा करते हैं, भिन्न) के लिए है, जिनकी कुल आय के अन्तर्गत "कारबार या वृत्ति के लाभ और अभिलाष" नहीं है।

(2) सभी भाग और स्तंभ इसके नीचे उपबंधित रीति में भरे जाने चाहिए। यदि कोई भाग या स्तंभ लागू न हो तो, कृपया 'लागू नहीं होता' उल्लिखित करें और कोई चिह्न या प्रतीक प्रकृत न करें।

(3) इन टिप्पणों में प्रत्येक पृष्ठ के नीचे जो संख्यांक दिए गए हैं वे आय की विवरणी के संबंधित पृष्ठों पर तत्स्थानीय संख्याओं को निर्दिष्ट करते हैं।

(4) इन टिप्पणों में धाराओं और नियमों के जो निर्देश हैं वे क्रमशः आय-कर अधिनियम, 1961 और आय-कर-नियम 1962 की धाराओं और नियमों के प्रति निर्देश हैं।

(5) इन टिप्पणों को अलग कर लिया जाए और निर्धारित, द्वारा रखा जाए।

पृष्ठ 1

1. जो लागू न हो उसे काट दें। यदि यह विवरणी निर्धारण वर्ष 1990-91 के लिए है और पहली बार फाइल की गई है तो यह मूल विवरणी है यह उपबंधित करने के लिए "मूल" को छोड़ दें और बाकी काट दें।

2. वह निर्धारण वर्ष उपबंधित करें जिसके लिए विवरणी फाइल की गई है। (निर्धारण वर्ष विमोच वर्ष के ठीक बाद के बारह मास को अवधि का है। इस प्रकार से 1-4-1989 31-3-1990 की अवधि के लिए निर्धारण वर्ष 1990-91 होता है।)

3. यदि यह संशोधित विवरणी है तो, पहले मूल विवरणी की रसीद संख्या दें और तब उसे फाइल करने की तारीख उदाहरणार्थ यदि मूल विवरणी 15-6-1990 को फाइल की जाती है और उसके लिए विभाग ने रसीद सं. 4210 जारी की है तो उसे खानों में इस प्रकार उपबंधित किया जाएगा :

4	2	1	0	1	5	-	0	6	-	1	9	9	0
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

4. फरदाता को दिए गए स्थायी लेखा संख्या का यथा हवाला दिया जाएगा यदि यह इस प्रकार अभी तक नहीं दिया गया है तो जो घाटे धार संख्यांक यदि कोई हो तो लिखें। यदि दोनों नहीं दिए गए हैं तो "नहीं दिया गया" लिखें।

5. अपना नाम स्पष्ट अक्षरों में लिखें। उपनाम पहले दें। प्रत्येक नाम के पश्चात् एक खाना छोड़ दें। उदाहरणार्थ सत्य प्रकाश शर्मा के लिए लिखें :

श	र्मा		स	त्य		प्र	का	श
---	------	--	---	-----	--	-----	----	---

6. प्राप्ति उपबंधित करने के लिए, कृपया निम्नलिखित फीड नम्बर का प्रयोग कीजिए :

(क) व्यक्ति	01
(ख) हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब (नीचे उल्लिखित से भिन्न)	02
(ग) हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब जिसके कम से कम एक सदस्य की कुल आय पूर्व वर्ष में 18000 रु० से अधिक है	03
(घ) अरजिस्ट्रिकृत फर्म	04
(ङ) रजिस्ट्रिकृत फर्म (उससे भिन्न जो वृत्ति में लगी है)	05
(च) रजिस्ट्रिकृत फर्म जो वृत्ति में लगी है	06
(छ) व्यक्तियों का संगम	07
(ज) व्यक्तियों का संगम (न्यास)	08
(झ) व्यक्ति निकाय	09
(झ) कृषि मेषिक व्यक्ति	10
(ट) सहकारी सोसाइटी	11
(ठ) स्वामीय प्राधिकारी	16

उदाहरण : उस दिवस अंतिम वृद्धि की दशा में जिसके कम से कम एक सदस्य को कसौघेय प्राय 190115 में अधिक है, वही कोई नंबर 03 होगा।

7 निवास प्राप्ति उपर्युक्त करने के लिए निम्नलिखित कोड नंबर का प्रयोग कीजिए:-

निवासी	01
अनिवासी	02
निवासी किन्तु मामूली तौर पर निवासी नहीं	03

संयुक्त उपबंध द्वारा 6 में है

8. यहाँ उस धारा का आरंभ/संक्षिप्त/रिज का जहाँ निर्धारण हुआ है/होना है नाम निश्चित यदि आपसे जानकारी नहीं है या कृपया आयकर कार्यालय के ज. सं. के अधिकारी से या आसानी कार्टर पर सलूम करें।

9 और 10 अपने कार्यालय और निवास का पिन कोड और टेलीफोन नंबर सहित यदि कोई हो पूरा पना दें।

11. जो लागू न हो उसे काट दें।

मान-1

क-वेतन

नियोजकों के नाम और जिन में यदि आवश्यकता निर्धारण में है तो "नहीं" काट दें किसी अन्य दशा में "हाँ" काट दें।

1. यहाँ निर्धारण वर्ष के संघ में जिसके लिए निर्धारण हो या रही है, नियोजक से प्राप्त/प्राप्त सकल वेतन उपर्युक्त करें [उदाहरणार्थ वेतन जिस के अंतर्गत वेतन को बकाया या वेतन अधिम भी है, उन छूटों कि बदले में जिसका उल्लेख नहीं किया है, प्राप्त कोई संदाय, डोनर, मजदूरी, बोनस, पेंशन (जिनके अंतर्गत पेंशन का संरक्षित मूल्य है) देव कोई वार्षिकी या उत्तरान (जैसे संदल हो या अनुज्ञात) और मकान किराया और सभी अन्य नकद भत्ते]। एक से अधिक नियोजकों से प्राप्त/प्राप्त वेतन को सकल वेतन में सम्मिलित करें। संयुक्त उपबंध आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 16 और धारा 17 में है।

किसी छूट की दशा में यदि कोई ऐसी रकम उत्तरान के रूप में जन्म वर्ष में या पूर्व वर्ष में प्राप्त हुई हो, जिसके लिए छूट का दावा किया गया है तो एक पृथक विवरण संलग्न किया जाए।

2. यहाँ उन परिभाषात्मक भत्ते उपर्युक्त करें जिस तक वे धारा 10 के अधीन छूट प्राप्त हैं।

3. यहाँ अधिशेष उपर्युक्त करें (अर्थात् 1-2) हैं।

4. वेतन के बदले में सुपरिस्विचों और नामों के मूल्य की जोड़ें। प्रत्येक मद को उसके अर्धीय मूल्य सहित दिए गए स्तंभों में अलग अलग विनिर्दिष्ट करें। यदि स्थान अपर्याप्त हो तो पृथक पन्ना संलग्न करें।

नियोजक द्वारा प्रदत्त परिस्विचों निम्नलिखित हो सकती हैं:

(i) मृगत या रियायती पास सुविधा -- धारा 17(2)(i) और (ii)

(ii) मृगत या रियायती पायदे सुख सुविधाएं -- धारा 17(2)(iii)

(क) प्रवृद्धि -- नियम 3(ग)

(ख) गैस विद्युत जनननियम 3(घ)

(ग) घरेलू या वैयक्तिक सेवाएं

(घ) वैयक्तिक यात्रा

(ङ) अन्य कोई मद (कमोरे कीजिए)।

(iii) निर्धारिता की बाध्यताओं की बाबर नियोजक द्वारा संदाय (जिनमें बालकों की शिक्षा, आय कर आदि शामिल हैं) और नियोजक द्वारा जीवन बीमा या वार्षिकी के लिए भदेव राशियां धारा 17(2) (iv) और (v)

5. यहाँ मद 3 और 4 की राशि दीजिए कृपया वेतन प्रमाणपत्र संलग्न करें।

6. यहाँ वेतन आय से अनुज्ञेय कटौतियों का दावा कीजिए। प्रत्येक मद अलग अलग विनिर्दिष्ट करें, जैसे:

--भतक कटौती : वेतन के 33-1/3 प्रतिशत के राशि या बारह हजार रुपए, इनमें से जो सो कम हो कसौघेय वेतन को संगणना में अनुज्ञात है।

--सत्कार भत्ता धारा 16(ii)

--वृत्ति कर-धारा 16(iii)

7. यहाँ सकल वेतन में से दावा की गई कटौतियों की कुल रकम दीजिए।

8. यहाँ "वेतन" शीर्ष के अधीन प्रसार्य शुद्ध आय उपर्युक्त कीजिए।

पृष्ठ 2

ख. गृह संपत्ति से आय

1. कृपया संपत्ति (संपत्तियों) का/के पूरा/पूरे बाक पता/पते दीजिए। यदि निर्धारित एक से अधिक संपत्तियों का स्वामी है तो कृपया उसका एक अलग कागज पर उल्लेख कीजिए और उसे विवरणी के साथ संलग्न कीजिए।

2. यह उपदर्शित करने के लिए कि संपत्ति स्वामी के अधिभाग में है या नहीं, यथास्थिति "हां" या "नहीं" शब्द को काट दीजिए।

3. यहां वार्षिक किराया मूल्य या प्राप्त/प्राप्य वार्षिक किराया इनमें से जो भी अधिक हो, उपदर्शित करें। यदि आप एक से अधिक गृह संपत्ति के स्वामी हैं, यहां उपदर्शित स्तंभों का प्रयोग करते हुए कृपया ऐसी प्रत्येक संपत्ति के बारे में पृथक् संगणना करें।

4. यहां धारा 23 के अधीन अनुज्ञेय कटौतियों का दावा कीजिए जैसे :

(क) नगरपालिका कर, निर्धारित कटौती का/तभी दावा करें जब वे (i) उसके द्वारा वहन किए जाते हैं, किराएदार द्वारा नहीं, और

(ii) वर्ष के दौरान संवत् किए गए हैं। कृपया ऐसे संदाय का सबूत संलग्न करें।

(ख) नव संनिर्माण भत्ता सुसंगत उपबंध धारा 23(1) के दूसरे परन्तुक में दिए गए हैं।

(ग) यदि ऐसी एक या अधिक संपत्तियां स्वामी के अधिभाग में स्वयं उसके निवास से प्रयोजनों के लिए हैं तो संपत्ति जिसके बारे में निर्धारित कि उनका धारा 23(2) उपबंधों के अनुसरण वार्षिक मूल्य कुछ नहीं माना जाए, विनिर्दिष्ट की जाएगी। कटौती को प्रत्येक मद उसके अधीन दावा की गई कटौती योग्य रकम सहित अलग अलग विनिर्दिष्ट करें।

5. यहां धारा 23 के अधीन दावा की गई कटौती की कुल राशि उपदर्शित की जानी है।

6. यहां प्रतिशेष उपदर्शित करें (अर्थात् 3—5)

7. यहां धारा 24 के अधीन कटौतियां उपदर्शित करें (प्रत्येक मद अलग अलग विनिर्दिष्ट करें) जैसे :

(i) मरम्मत-निर्धारित वार्षिक मूल्य के पष्ठांश का मरम्मत के रूप में हकदार है, यदि उसे किराएदार द्वारा वहन नहीं किया जाता है धारा 24(1)(i) ;

(ii) बीमा —धारा 24 (1) (ii) ;

(iii) वार्षिक प्रभार—धारा 24(i) (iv) ;

(iv) भूमि का किराया—धारा 24(1)(v) ;

(v) उधार ली गई पूंजी पर ब्याज—धारा 24(1)(vi)

(vi) भू-पूँजस्व-धारा 24(1)(vii)

(vii) संग्रहण प्रभार (अनुज्ञेय परिसीमा वार्षिक व्यय या वार्षिक किराया मूल्य का 6 प्रतिशत इनमें से जो भी कम हो, है) —धारा 24(1) (viii)

(viii) रिक्त रहने का भत्ता-धारा 24(1) (ix)

(ix) किराया जो बसूल नहीं किया जा सकता —धारा 24(1) (x) ;

8. यहां धारा 24 के अधीन दावा की गई कटौती की कुल राशि उपदर्शित की जानी है।

9. यहां "गृह संपत्ति से आय" शीर्ष के अधीन प्रभाव्य शून्य आय (अर्थात् 6—8) इसमें उपदर्शित की जानी है।

ग. पूंजी अभिलाष

1. अंतरित आस्तियों का विवरण दें। अल्पकालिक और दीर्घकालिक आस्तियों के लिए पृथक् स्तंभ दिए गए हैं। तदनुसार अंतरित आस्तियों की विशिष्टियां संबंधित स्तंभों में दी जाएं यदि अन्तरण में दो से अधिक अल्पकालिक/दीर्घकालिक/आस्तियां अंतर्बलित हों तो पृथक् संगणना पन्ना दिए गए फार्म में, विवरणी के साथ संलग्न करें।

2. यहां अर्जन की तारीख और वह अवधि जिसमें निर्धारित की है, उपदर्शित कीजिए।

3. यहां वह तारीख निर्दिष्ट कीजिए जिसको आस्ति अंतरित की गई है।

4. यहां वह सकल रकम, जो आस्ति के अन्तरण से प्राप्त की गई है/प्राप्य हो, उपदर्शित की जानी है।

5. कृपया यहां उपदर्शित करें :

(i) अर्जन की लागत : निर्धारित धारा आस्ति के अर्जन में उपगत लागत है या धारा 49 और धारा 55(2) के निबन्धनों के अनुसार लागत

(ii) सुधार की लागत : "सुलभित" के संबंध में यह "अन्य" है जबकि अन्य आस्तियों के संबंध में यह आस्ति के सुधार में उल्लेख लागत है—धारा 55(1)(ख)

(iii) अन्वेषण की लागत : यह अन्वेषण के संबंध में लागत है—धारा 48(1)(क)(i)

6. यहां 5 की कटीनियों की कुल राशि उपदर्शित करें।

7. यहां अनिशेष रकम (4—6) उपदर्शित करें। यदि इसका परिणाम हानि हो तो, उसे (—) शून्य बिन्दु द्वारा उपदर्शित करें।

8. अन्य कटीनियां : यहां अल्पकालिक और दीर्घकालिक पूंजी अभिलाभों के संबंध में अनुज्ञेय कटीनियां अलग-अलग उपदर्शित की जाएंगी। कृपया प्रत्येक मद, उसके अधीन कटीनी-योग्य रकम सहित विनिर्दिष्ट करें। यदि स्थान उपदर्शित हो तो पन्ना का प्रयोग करें। ये कटीनियां अनुज्ञेय नहीं होंगी यदि 7 के अनिशेष का परिणाम हानि हो।

अनुज्ञेय कटीनियां निम्नलिखित हैं :

I. अल्पकालिक पूंजी अभिलाभ :

(i) वह रकम जो धारा 54ख (1), 54घ (1) या 54छ (1) के अधीन छूट प्राप्त है

(ii) वह रकम जो धारा 54ख (2), 54घ (2) या 54छ (2) के अधीन जमा की गई है

II. दीर्घकालिक पूंजी अभिलाभ :

(i) वह रकम जो धारा 53, 54 (1), 54ख (1), 54घ (1), 54च (1), या 54छ (1) के अधीन छूट प्राप्त है

(ii) वह रकम जो धारा 54 (2), 54ख (2), 54घ (2), 54ङ (1), 54च (4), या 54छ (2) के अधीन जमा की गई है।

(iii) धारा 48 (2) के अधीन

9. कृपया यहां अनिशेष रकम (7—8) उपदर्शित करें। यदि 7 के अनिशेष का परिणाम हानि हो तो उसे यहां दोहराया जाए।

10. यहां "पूंजी अभिलाभ" शीर्ष के अधीन आय समझी गई रकम उपदर्शित करें। कृपया प्रत्येक मद, उसके अधीन सम्मिता किए जाने योग्य रकम सहित अलग-अलग विनिर्दिष्ट करें। ऐसी समझी गई धाय से संबंधित सुसंगत उपबंध धारा 45(2)/(3)/(4)/(5), 50, 54 (2), 54ख (2), 54घ (2), 54ङ (2), 54च (4) और 54छ (2) में है।

11. यहां पूंजी अभिलाभ समझी गई कुल रकम इसमें उपदर्शित की जानी है। यह अल्पकालिक और दीर्घकालिक आस्तियों के संबंध में अलग-अलग उपदर्शित की जाए।

12. यहां अल्पकालिक और दीर्घकालिक पूंजी अभिलाभों के लिए 9 और 11 के शुद्ध परिणाम अलग-अलग उपदर्शित करें।

13. यहां दीर्घकालिक आस्तियों से संबंधित पूर्वतर वर्षों में अप्रतीत हानि उपदर्शित करें।

14. यहां "पूंजी अभिलाभ" शीर्ष के अधीन अल्पकालिक और दीर्घकालिक पूंजी अभिलाभ/हानि की शुद्ध रकम उपदर्शित करें।

पृष्ठ 3

घ अन्य स्रोतों से आय :

1. (क) कृपया लाभांश की सकल उल्लिखित करें। निम्नलिखित जानकारी देते हुए पृथक पन्ना संलग्न करें :—

(i) कम्पनी का नाम ;

(ii) शेयरों की संख्या ;

(iii) लाभांश की सकल रकम ;

(iv) लाभांश की सकल रकम ;

(v) स्वीकृत पर कटीनी किया गया कर।

यदि निर्धारित 1 धारा 2(22)(ग) के अधीन उल्लिखित प्रकृति को कोई राशि प्राप्त की है और जो लाभांश समझी गई है तो कंपनी का नाम और पता, प्राप्त संदेश की प्रकृति और इस प्रकार प्राप्त राशि बताने हुए विवरण प्रस्तुत करें।

कृपया लाभांश अधिपत्र और अन्य समर्थक साक्ष्य संलग्न कीजिए।

(ख) कृपया प्राप्त किए गए/प्राप्त ब्याज की सकल रकम को उल्लिखित करें। प्राप्ति किया गया/प्राप्त ब्याज की प्रत्येक मद के संबंध में जानकारी देते हुए पृथक पन्ना संलग्न करें और समर्थक साक्ष्य संलग्न करें।

(ग) यहां लाहरी, बर्ग पहली और दोड़ प्रादि से हुई जीत की सकल रकम लिखें और यदि दो या अधिक मदें हों, तो पृथक संलग्न करें, और समर्थक साक्ष्य संलग्न करें।

(घ) 'अन्य स्रोतों से आय' शीर्ष के अधीन प्रचार्य अन्य धाय विनिर्दिष्ट करें।

2. यहाँ सकल आयियों की कुल राशि उपदर्शन की जाती है।
3. मरदधीन दावा की गई कटौतियों की मदें और रकमें विनिर्दिष्ट करें। सुसंगत उपबंध धारा 57 में है।
4. यहाँ दावा की गई कटौतियों का योग उपदर्शन करें।
5. यहाँ "अन्य स्त्रियों से आय" शीर्ष के अधीन प्रभायें शुद्ध आय (पर्याप्त 2—4) लिखें।

६ कुल आय का विवरण

1. यहाँ आय के विभिन्न शीर्षों के अधीन सभ क से घ के सामने कर से प्रभायें शुद्ध रकम लिखें। ये बड़ी होनी चाहिए जो कमजोर पृष्ठ 1 पर मद क8, पृष्ठ 2 पर मद ख, और मद ग 14 तथा पृष्ठ 3 पर मद ब5 के सामने दर्शन की गई है।

2. यहाँ क से घ का कुल राशि उपदर्शन की जाए।

3. I. यहाँ अध्याय 6-क के अधीन दावा की गई कटौतियाँ उपदर्शन की जाएँ। इस कटौतियों की सकलित रकम योग में दिखाएँ जाएँ।

II. कृपया संदाय/अभिदाय की सकल रकम की संगणना, अहक रकम और दावा की गई कटौती की शुद्ध रकम लिखें। यदि दिया गया स्थान अपर्याप्त हो तो, संगणना, पृथक पन्ने पर दें और उसे विवरणी के साथ मिला दें।

III. कृपया दावा के समर्थन में संदाय/अभिदाय का सबूत भी संलग्न करें।

अध्याय 6-क के अधीन पात्र कटौतियों का संबंध निम्नलिखित में है:

- (i) जीवन बीमा प्रीमियम, भविष्यनिधि अभिदाय, धावासिक संग्रह के क्रय/संनिर्माण के लिए सरकार/बैंक आदि से लिए गए उधारों की किमत/आशिक संदाय/प्रतिमंदाय अहक रकमों की संपूर्ण अधिकतम सीमा लेखक, माहककार, कलाकार, संगीतज्ञ, अभिनेता या खिलाड़ी (जिन्हें अंतर्गत खेलकूद में भाग लेने वाला है) की दशा में 60,000 रुपया और किसी व्यक्ति या हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब या व्यक्तियों के किसी संगम या व्यक्तियों के किसी निकाय की दशा में 40,000 रु० है। इस धारा के अर्थात् कटौती की गणना इस प्रकार की जाएगी:

पहले 6000 रु०	... 100 प्रतिशत
अगले 6000 रु०	... 50 प्रतिशत
अतिशेष	... 40 प्रतिशत (धारा 80ग)

(ii) कुछ नए श्रेयों में अधिकतम विनिधान 20,000 रु० तक। कटौती, विनिधान की गई रकम के 50 प्रतिशत की दर से अनुज्ञात है। उदाहरणार्थ वह निष्ठागिनी जो 25,000 रु० का विनिधान करती है, 10,000 रु० (पर्याप्त 20,000 रु० की अधिकतम सीमा का 50 प्रतिशत) कटौती प्राप्त करेगी। (धारा 80गघ)

(iii) राष्ट्रीय बचत स्कीम, 1987 के अधीन निवेश या जीवन बीमा निगम की प्राप्तिगत व्यक्ति योजना में संदाय। ये अधिकतम सीमा 30,000 रु० के अधीन रहते हुए, 100 प्रतिशत की दर से कटौती योग्य हैं। (धारा 80 गगक)

(iv) चिकित्सा बीमा के लिए साधारण बीमा निगम को मंदत प्रीमियम। चिकित्सा बीमा के लिए मंदत प्रीमियम की बाबत अधिकतम सीमा 3000 रु० है। (धारा 80घ)

(v) कतिपय निधियों, पूर्ण संस्थाओं आदि को दान। कतिपय निधियों, पूर्ण संस्थाओं आदि को केवल वही नकद दान धारा 80 छ के अधिन कटौती के लिए पात्र होगा जिसका योग 250 रु० से अधिक है। संपूर्ण अधिकतम सीमा सकल कुल आय की 10 प्रतिशत है। (जिसमें से वह रकम प्रदा दी जाएगी जिस पर कोई कर संदेय नहीं है या जिसके प्रति निर्देश से करदाता अध्याय 6-क के अधीन किसी कटौती का हकदार है।) (धारा 80छ)

(vi) सुसज्जित या असज्जित निवास स्थान के लिए मंदत किराया। करदाता, जो कोई मकान किराया भत्ता प्राप्त नहीं कर रहा है, शरीकृत शहरों में से किसी एक में जिसमें नगर बस्तियाँ भी हैं, स्थित निवास स्थान के लिए मंदत किराए की बाबत कटौती का पात्र है। कुल आय के 10 प्रतिशत से अधिक मंदत किराया की बाबत, संपूर्ण अधिकतम सीमा 1000 रु० प्रतिमास या कुल आय के 25 प्रतिशत के, इनमें से जो भी कम हो, अधीन रहते हुए, कटौती अनुज्ञात है। (धारा 80छछ)

(vii) वैज्ञानिक अनुसंधान, ग्राम विकास के लिए दाना वैज्ञानिक अनुसंधान या ग्राम विकास या प्राकृतिक समाधानों के संरक्षण के लिए कतिपय बातों की बाबत धारा 80छछक के अधीन 100 प्रतिशत कटौती उपलब्ध है।

(viii) लाभांश, ध्याज, आय आदि। कतिपय श्रेयों, युनिटों आदि से लाभांश, निशेयों पर ध्याज के रूप में आय, 13000 रु० की संपूर्ण अधिकतम सीमा तक कटौती के लिए पात्र है। (धारा 80ड)

(ix) परिवर्तनीय सीमाओं और कतिपय शर्तों के अधीन रहते हुए सहकारी सोसायटियों की विनिर्दिष्ट आय (धारा 80त)

(x) प्राचार्यों शिक्षकों आदि की दशा में कतिपय विदेशी स्रोतों में पारिश्रमिक—ऐसे पारिश्रमिक का 50 प्रतिशत 80इ के अधीन कटौती के लिए पात्र है।

(xi) भारत में बाहर की गई सेवाओं के लिए प्राप्त पारिश्रमिक—संपूर्ण अधिकतम सीमा ऐसे पारिश्रमिक की 50 प्रतिशत या भारत में विदेशों मुद्रा विनियमन के अनुसार लागू हुए पारिश्रमिक की 75 प्रतिशत जो भी अधिक हो, है। (धारा 80 वणक)

(xii) उन व्यक्तियों द्वारा, जो पूर्णतः अन्ध हैं या स्थायी रूप से विकलांग हैं या मानसिक मदता से ग्रस्त हैं, 15,000 रु० की कटौती का दावा किया जा सकता है। (धारा 80प)

4. यहाँ कर में प्रभाय कुल आय (2-3) दी जानी है।
5. यहाँ उपवर्धित राशि में, दस रुपए के निकटतम गुणक तक पूर्णांकित कुल आय तथा शब्दों और अंकों दोनों में, उल्लेख कीजिए।
6. यहाँ सुसंगत वित्त अधिनियम की पहली अनुसूची के भाग 4 के अनुसार में संगणित गुणक कृपि आय दी जानी है।
7. यहाँ अन्य व्यक्तियों की उद्भूत आय, जो निर्धारित की कुल आय में सम्मिलित की गई है, दी जानी है।
8. यहाँ ऐसे अन्य व्यक्ति का नाम और तानेदारी दीजिए।
9. यदि किसी आय पर कर, विशेष कर से जैसे लाटरी आदि से भीत की बाबत भाग 115 खख के अधीन या प्रतिवर्षी भारतीय की दशा में धारा 115B के अधीन या अधिनियम के किसी अन्य उपबन्ध के अधीन अधिकतम माजित दर से प्रभाय है तो उसका व्योरा पृथक् पृष्ठ पर दीजिए।

पृष्ठ 4

भाग-2. करों का विवरण

1. यहाँ कुल आय पर सदैय कर दिया जाना है।
2. यहाँ धारा 89 (1) के अधीन राहत उपदर्शित करें।
3. यहाँ सदैय आय-कर की प्रतिशेष रकम उपदर्शित करें (अर्थात् 1-2)।
4. यहाँ बिलब से विवरणी फाइल करने के लिए, अधिम कर के सदैय में व्याज के लिए या अधिम कर के प्रास्थान के लिए प्रभाय व्याज अलग-अलग दीजिए। इनकी संगणना धारा 234क, धारा 234ख और धारा 234ग में अधिकृत रीति से की जाएगी।
5. यहाँ सदैय कर और व्याज की कुल रकम (3+4) उपदर्शित की जानी है।
6. इन प्रयोजनों के लिए दिए गए तत्त्वबन्धी स्तम्भों में (क) अधिम कर की कलता और (ख) खान पर कटौती किए गए करों का व्योरा दें।
7. स्वयं निर्धारण पर (अर्थात्, विवरणी फाइल करने से पहले) संदत्त कर और व्याज का व्योरा दें और इस प्रकार संदत्त की गई रकम के समर्थत में खाली संलग्न करें।
8. यहाँ अन्य पूर्व संदत्त कर, यदि कोई हो, उपदर्शित किए जाने हैं। कृपया ऐसे सदैय का सन्त संलग्न करें।
9. यहाँ संदत्त कर की कुल राशि दी जानी है (अर्थात् 6+7+8)।
10. यहाँ, यथार्थतः, सदैय या प्रतिदिय शुल्क कर, उपदर्शित किया जाता है। प्रतिदिय का उपदर्शित करने के लिए ऐसे ऋण (-) के चिन्ह से दर्शाए।

भाग-3

आय जिसके लिए छूट का दावा किया गया है

1. यहाँ आय जिसके लिए छूट का दावा किया गया है, उपदर्शित की जाएगी। ऐसी आय की मद के लिए जिसके लिए छूट का दावा किया गया है, कृपया उसकी प्रकृति, वस्तु रकम जिसके लिए छूट का दावा किया गया है और उस दावे के लिए कारण विनिश्चित करें।

पृष्ठ 5

भाग-4 संलग्न दस्तावेजों/विवरणों की सूची

1. यहाँ आय की विवरणी के साथ संलग्न दस्तावेजों/विवरणों का पूरा व्योरा दें।
2. इस पर हस्ताक्षर करने से पहले, सत्यापन के लिए दिए गए विनिर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। सत्यापन में सभी सुसंगत स्तम्भों को भरें। उपवर्धित रूप में स्थान और तारीख लिखें।

[सं० 3649 / फा० सं० 133/83/90-टी पी एल]

अरविन्द मोदी, प्रथम सचिव

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES
NOTIFICATION

New Delhi, the 26th April, 1990
INCOME-TAX

S.O. 354(E):—In exercise of the powers conferred by section 295 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely:—

1. (1) These Rules may be called the Income-tax (Eleventh Amendment) Rules, 1990.
- (2) They shall come into force on the 1st day of June, 1990.
2. In the Income-tax Rules, 1962, in Appendix II, for Form Nos. 2 & 3, the following Forms shall be substituted, namely:—

FORM NO. 2

“RETURN OF INCOME
[See Rule 12(1)(b)(i)]

Receipt No. _____

Date _____

(Please read the attached Notes
carefully before filling this Form)

[For assesses (other than companies and those claiming
exemption under section 11) whose total income includes
“Profits and gains of business or profession”]

1. ORIGINAL/REVISED/U/S148/237

2. Assessment Year 19 —

3. If revised, Receipt No. and
date of filing of original return

— 19

4. PAN/GIR NO.

5. Name (Surname first) (In Block letters)

6. Status

7. Residential
Status

8. Ward/Circle/Range

9. Office Address (In Block letters)

10. Residential Address (In Block letters)

Telephone

PIN

Telephone

PIN

11. Please indicate :

(a) Are you a citizen of India ?

Yes/No

(d) Is this your first Assessment ?

Yes/No

(b) Are you a person of Indian origin ?

Yes/No

(e) Are you assessed to Wealth tax ?

Yes/No

(c) Are you an NRI in whose case any part of
income is to be taxed in accordance with the
provisions of Chapter XII A ?

Yes/No

(f) Have you claimed any Double Taxation Relief?

(i) Under Agreement with Foreign Countries Yes/No

(If yes, please file the details in a separate
sheet)

(ii) In respect of Country with which no Agree-
ment exists.

Yes/No

Name of the Country _____

12. In case of firm, receipt No. & date of furnishing Form No.

11/11A/12 (Strike out whichever is not applicable.)

PART-I COMPUTATION OF INCOME INCLUDING INCOME OF OTHER PERSONS INCLUDEBLE IN ASSESSEE'S TOTAL INCOME AND NET AGRICULTURAL INCOME

A. SALARIES

Government Yes/No

Name(s) and Address(es) of Employer(s) _____

1. Salary (including all Allowances) Rs. _____
2. Less : Allowances exempt u/s 10
 - (a) Rs. _____
 - (b) Rs. _____
 - (c) Rs. _____ Rs. _____
3. Balance (1-2) Rs. _____
4. Add :
 - (a) Rs. _____
 - (b) Rs. _____
 - (c) Rs. _____
 - (d) Rs. _____
5. Total (3+4) Rs. _____
6. Deduct :
 - (a) Standard Deduction Rs. _____
 - (b) Rs. _____
 - (c) Rs. _____
7. Total of deductions of 6 Rs. _____
8. INCOME CHARGEABLE UNDER THE HEAD SALARIES (5-7) Rs. _____

B. INCOME FROM HOUSE PROPERTY

1. Address(es) of the Property(ies) _____
2. Self occupied Yes/No.
3. ALV/ANNUAL RENT Rs. _____
4. Less :
 - (a) Rs. _____
 - (b) Rs. _____
 - (c) Rs. _____
5. Total of 4 Rs. _____
6. Balance (3-5) Rs. _____
7. Other deductions :
 - (a) Repairs Rs. _____
 - (b) Rs. _____
 - (c) Rs. _____
 - (d) Rs. _____
 - (e) Rs. _____
 - (f) Rs. _____
 - (g) Rs. _____
 - (h) Rs. _____
 - (i) Rs. _____
8. Total of 7 Rs. _____
9. INCOME CHARGEABLE UNDER THE HEAD INCOME FROM HOUSE PROPERTY (6-8) Rs. _____

C. PROFITS AND GAINS OF BUSINESS OR PROFESSION

1. Business or Profession (other than speculation business):			Rs. _____
Net Profit/Loss as per Profit & Loss account			
2. Adjustments:	Add	Deduct	
_____	Rs. _____	Rs. _____	
_____	Rs. _____	Rs. _____	
_____	Rs. _____	Rs. _____	
_____	Rs. _____	Rs. _____	
_____	Rs. _____	Rs. _____	
_____	Rs. _____	Rs. _____	
3. Total of Adjustments	Rs. _____	Rs. _____	
4. Balance after adjustments in 1 \pm 3 above		Net Profit/Loss	Rs. _____
5. Share in Profit/Loss of RF(s)			Rs. _____
6. Adjustments :	Add	Deduct	
_____	Rs. _____	Rs. _____	
_____	Rs. _____	Rs. _____	
_____	Rs. _____	Rs. _____	
_____	Rs. _____	Rs. _____	
7. Total of adjustments	Rs. _____	Rs. _____	
8. Balance after adjustments in 5 \pm 7 above		Net Profit/Loss	Rs. _____
9. Share in Profit or Loss of URF/AOP/BOI	Rs. _____	Rs. _____	
	Rs. _____	Rs. _____	Total Rs. _____
10. Adjustments :	Add	Deduct	
_____	Rs. _____	Rs. _____	
_____	Rs. _____	Rs. _____	
_____	Rs. _____	Rs. _____	
11. Total of Adjustments	Rs. _____	Rs. _____	
12. Balance after Adjustments in 9 \pm 11 above		Net Profit/Loss	Rs. _____
13. Total (i.e., Result of 4, 8 & 12)			Rs. _____
14. Less: Brought forward unabsorbed losses or allowances from earlier years	(a) Rs. _____	(b) Rs. _____	
	(c) Rs. _____	Total Rs. _____	
15. CHARGEABLE INCOME FROM BUSINESS OR PROFESSION (OTHER THAN SPECULATION BUSINESS) (i.e., Result of 13 & 14)			Rs. _____
16. Speculation Business			Rs. _____
17. Adjustments :	Add	Deduct	
_____	Rs. _____	Rs. _____	
_____	Rs. _____	Rs. _____	
_____	Rs. _____	Rs. _____	
_____	Rs. _____	Rs. _____	
18. Total of Adjustments	Rs. _____	Rs. _____	
19. Balance of 16 \pm 18		Net Profit/Loss	Rs. _____
20. Brought forward losses from speculation business to the extent these can be set off against 19			Rs. _____
21. CHARGEABLE INCOME FROM SPECULATION BUSINESS (19 - 20)			Rs. _____
22. NET CHARGEABLE INCOME FROM BUSINESS OR PROFESSION (15 + 21)			Rs. _____

D. CAPITAL GAINS

	Short Term Assets		Long Term Assets	
1. Particulars of asset transferred	_____	_____	_____	_____
2. Period held before transfer	_____	_____	_____	_____
3. Date of transfer	_____	_____	_____	_____
4. Full value of consideration	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
5. Deductions :				
(i) Cost of Acquisition	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
(ii) Cost of Improvement	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
(iii) Cost of Transfer	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
6. Total of Deductions of 5	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
7. Balance (4—6)	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
8. Less: Other deduction(s)	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
9. Balance (7—8)	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
10. Add :				
Amount deemed to be Capital Gains (Please specify)				
(a)	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
(b)	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
11. Total [10(a) + 10(b)]	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
12. Total (9 + 11)	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
13. Less : Brought forward losses relating to Long Term Assets			Rs. _____	Rs. _____
14. NET AMOUNT OF CAPITAL GAINS				
		SHORT TERM CAPITAL GAINS		Rs. _____
		LONG TERM CAPITAL GAINS		Rs. _____

E. INCOME FROM OTHER SOURCES

1. (a) Dividends	Rs. _____	
(b) Interest	Rs. _____	
(c) Winnings from Lotteries, crossword puzzles, races etc.	Rs. _____	
(d) Others	Rs. _____	
2. Total of 1(a) to 1(d)		Rs. _____
3. Less Deductions (Please specify)		
_____	Rs. _____	
_____	Rs. _____	
_____	Rs. _____	
4. Total of Deductions of 3		Rs. _____
5. NET CHARGEABLE INCOME FROM OTHER SOURCES (2—4)		Rs. _____

F. STATEMENT OF TOTAL INCOME

1. A Salaries		(Item A.8)	Rs. _____
B. Income from House Property		(Item B.9)	Rs. _____
C. Profits & Gains of Business or Profession		(Item C.22)	Rs. _____
D. Capital Gains			
(i) Short Term Capital Gains	Rs. _____		
(ii) Long term Capital Gains	Rs. _____	(Item D.14)	Rs. _____
E. Income from Other Sources		(Item E.5)	Rs. _____
2. Gross Total Income (A to E)			Rs. _____
3. Less : Deductions under Chapter VI-A	Rs. _____	Rs. _____	
	Rs. _____	Rs. _____	Total Rs. _____
4. Balance (2—3)			Rs. _____
5. Total Income (As rounded off to the nearest multiple of ten rupees)			Rs. _____

6. Total Income (in words)	Rs.	Thousands	Hundreds	Tens

7. NET AGRICULTURAL INCOME FOR RATE PURPOSES	Rs.	_____		
8. Income included in items A to E being income arising to spouse/ minor child/son's wife/son's minor child or any other person or association of persons.	Rs.	_____		
9. Name & relationship of such person _____				
10. Income included in items A to E which is chargeable to tax at special rates	Rs.	_____		

PART II—STATEMENT OF TAXES

1. Tax on Total Income				
(a) At special rates	Rs.	_____	Rs.	_____
(b) At normal rates	Rs.	_____	Rs.	_____
2. Less: (a) Relief u/s 89(1)	Rs.	_____		
(b) Rebate in respect of share income from URF/AOP/BOI at the average rate of Income tax	Rs.	_____	Total	Rs. _____
3. Balance (1—2)			Rs.	_____
4. Add :				
(a) Interest on late filing of return	Rs.	_____		
(b) Interest for default in payment of Advance Tax.	Rs.	_____		
(c) Interest for determent of Advance Tax	Rs.	_____	Total	Rs. _____
5. Total Tax and Interest Payable (3 + 4)			Rs.	_____
6. Prepaid taxes : (A) Advances Tax Instalments (Attach Challans)				
	1st	2nd	3rd	TOTAL
Amount (Rs)	_____	_____	_____	_____
Date	_____	_____	_____	_____
Name of Bank	_____	_____	_____	_____
Branch	_____	_____	_____	_____
(B) Tax Deducted at Source [Attach Certificate(s)]				
(a) Salaries	Rs.	_____		
(b) Interest	Rs.	_____		
(c) Dividends	Rs.	_____		
(d) Any other item (Please specify)	Rs.	_____		
(e) Total (a to d)	Rs.	_____		
7. Tax on Self Assessment [Attach Challan(s)]		Amount		
Date of Payment	Income tax	_____	Interest in respect of 4 above	_____
		_____		_____
	Rs.	_____	Rs.	_____
			Total	Rs. _____
8. Other prepaid taxes, if any (specify & attach proof)			Rs.	_____
9. Total of Items (6 to 8)			Rs.	_____
10. NET TAX PAYABLE OR REFUNDABLE (i.e., Difference of 5 and 9)			Rs.	_____

PART III INFORMATION RELEVANT TO BUSINESS OR PROFESSION

1. General Particulars:

a. Name in which business/profession is carried on

b. Name(s) and address(es) of branch(es)

c. Nature of business or profession

d. Method of accounting: Mercantile/Cash/Mixed

e. Method of stock Valuation

2. In the case of a Firm/AOP/BOI, please furnish following additional Information:

Sl. No. of the partner/ member	Share of profit ratio	Interest paid to partner/member	Salary/remuneration paid to partner/ member	Commission/Bonus paid to partner/ member
-----------------------------------	--------------------------	------------------------------------	---	--

(a)	(b)	(c)	(d)	(e)	(f)
-----	-----	-----	-----	-----	-----

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.
- 5.
- 6.

3. Amount deducted in computing Income from Profits and Gains of Business or Profession

Sl. No.	Particulars	Amount (Rs.)
(a)	Depreciation	
(b)		
(c)		
(d)		
(e)		
(f)		
(g)		
(h)		
(i)		
(j)		
(k)		
(l)		

PART-IV INCOME CLAIMED EXEMPT

1.	Nature of Income	Amount(Rs.)	Reasons for claim
(a)			
(b)			
(c)			
(d)			

PART-V LIST OF DOCUMENTS/STATEMENTS ATTACHED

2.

- (a)
- (b)
- (c)
- (d)
- (e)
- (f)
- (g)
- (h)
- (i)

3. VERIFICATION

I.....(name in full & block letters) *son/daughter/wife ofsolemnly declare that to the best of my knowledge and belief the information given in this return and the annexures and statements accompanying it is correct and complete and that the amount of total income and other particulars shown therein are truly stated and related to the previous years relevant to the assessment year 19 →

I further solemnly declare that during the said previous year(s):

- (a) no other income accrued or arose to or was received by me from any asset held in my name or in the name of any other person;
- (b) there is no other income, including income of any other person, in respect of which I am chargeable to tax under the Income tax Act, 1961.

I further solemnly declare that during the said previous year(s)

- (a) no other income accrued or arose to or was received by *the person for and on whose behalf this return is furnished/the person in respect of whose total income I am assessable from any asset held in *the name of the person for and on whose behalf this return is furnished/the name of the person in respect of whose total income I am assessable, or in the name of any other person;
- (b) there is no other income including income of any other person in respect of which the said person is chargeable to tax under the income tax Act, 1961.

I further declare that I am making this return in my capacity as.....(designation) and that I am competent to make this return and verify it.

Place.....

Date.....

** (Name and Signature)

* Strike out whichever is not applicable

** Before signing the declaration the signatory should satisfy himself that this return and the accompanying annexures and statements are correct and complete in all respects. Any person making the false statement in the return or the accompanying annexures or statements shall be liable to prosecution under section 277 of the Income-tax Act, 1961 and on conviction be punishable under that section with rigorous imprisonment and with fine.

NOTES

FORM No. 2

[Income-tax Act, 1961/Rule 12(i)(b)(i)]

GENERAL

- I. Form No. 2 is for assessee (other than companies and those claiming exemption under section (11) whose total income includes "Profits and gains of business or profession").
- II. All Parts and columns must be filled in in the manner provided hereunder. If any Part or column does not apply, please mention NA (Not Applicable) and not any mark or symbol.
- III. The number given in these notes under each page refer to the corresponding item numbers on the respective pages of the Return of Income.
- IV. Reference to sections and rules in these notes are references to the sections and the rules of the income-tax Act, 1961 and the Income-tax Rules, 1962, respectively.
- V. These Notes should be detached and retained by the Assessee.

Page-1

1. Strike out whichever is not applicable. If it is a return for assessment year 1990-91 filed for the first time then it is an Original Return. To indicate this, leave Original as is and strike out the rest, eg. ORIGINAL.
2. Indicate the assessment year for which the return is filed. (Assessment year is a period of 12 months immediately following the financial year. Thus, for the period 1.4.1989 to 31.3.1990, the assessment year will be 1990-91)
3. If this is a revised return, first give the receipt number and then the date of filing the original return. Exempt. If the original return is filed on 15-6-1990, for which the department had issued receipt No. 4210, it should be indicated in the boxes as :

4	2	1	0	1	5	-	0	6	-	1	9	9	0
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

4. The Permanent Account Number given to the tax payer is to be quoted here. If it is not so given, indicate the GIR number, if any. If neither is given, write NOT ALLOTTED.
5. Write your name using block letters. Surname should be given first. Leave one box blank after each limb Example : for Satya Prakash Sharma, write

S	H	A	R	M	A	S	A	T	Y	A		P	R	A	K	A	S	H
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	--	---	---	---	---	---	---	---

6. For indicating the status, please use one of the following codes.:

(a) Individual	01
(b) Hindu Undivided Family (other than mentioned below)	02
(c) Hindu Undivided Family which has at least one member with total income of the previous year exceeding Rs. 18,000	03
(d) Unregistered Firm	04
(e) Registered Firm (other than one engaged in profession)	05
(f) Registered Firm engaged in profession	06
(g) Association of person (AOP)	07
(h) Association of person (Trusts)	08
(i) Body of individuals (BOL)	09
(j) Artificial juridical person	10
(k) Co-operative Society	11
(l) Local authority	16

Example : If it is the case of a Hindu Undivided Family, which has at least one member with taxable income exceeding Rs. 18,000 the correct code will be 03.

7. Please use one of the following codes to indicate the residential status :

Resident	01
Non-resident	02
Resident but not ordinarily resident	03

Relevant provisions are in Section 6.

8. Name here the Income-tax Ward/Circle/Range where assessed/assessable. If you are not aware, please enquire from the Public Relations Officers of the I.T. Office or at the Receipt Counter.
9. & 10. Give your complete Office and Residential addresses along with PIN codes and Telephone Numbers, if any.

11. Strike out whichever is not applicable

12. Please mention receipt No. and date of filing Form No. 11/11A/12, as the case may be, in the given space.

Page-2 Part-1

A. SALARIES

Give the name(s) and address(es) of the employer(s). If you are in the employment of Government, strike out 'No'. In any other case, strike out 'Yes'.

1. Indicate here the gross salary received/receivable from the employer in relation to the assessment year for which the return is furnished (eg. Salary including arrears or advance of salary, payment received in lieu of leave not availed of, bonus, wages, fees, pension (including commuted value of pension), any annuity or gratuity due (whether paid or allowed), and house rent and all other allowances). Salary received/receivable from more than one employer should be included in the gross salary. Relevant provisions are in sections 16 and 17 of the I.T. Act, 1961.

In the case of an individual, if any amount is received in the current year or in the earlier as gratuity which has been claimed as exempt, a separate statement may be attached.

2. Indicate here the allowances to the extent exempt under section 10.

3. Indicate here the balance (i.e. 1-2).

4. Add the value of perquisites and profits in lieu of salary. Specify each item separately along with the monetary value thereof, in the given columns(s), if the space is inadequate, attach separate sheet.

Perquisites provided by an employer can be:

(i) Free or concessional accommodation—Section 17(2)(i) and (ii)

(ii) Free or concessional benefits/amenities—Section 17(2)(iii)

(a) Conveyance—rule 3(c)

(b) Gas, electricity, water—rule 3(d)

(c) Domestic or personal services.

(d) Personal travelling.

(e) Any other item (Give details).

(iii) Payment by employer in respect of obligations of assessee (including children's education, income-tax etc.) and sums payable by employer for life insurance or annuity—Section 17(2)(iv) and v

5. The sum of items 3 and 4 should be given here. Please attach salary certificate(s).

6. Admissible deductions from salary income should be claimed here. Specify each item separately, e.g.:

*Standard deduction. A sum equal to 33-1/3% of the Salary or twelve thousand rupees, whichever is less, is allowed in computing taxable salary.

*Entertainment allowance—Section 16(ii)

*Profession tax—Section 16(iii)

7. The total amount of deductions claimed from gross salary is to be given here.

8. Indicate here the net income chargeable under the head 'SALARIES'.

B. INCOME FROM HOUSE PROPERTY

1. Please give complete postal address(es) of the property(ies). If the assessee owns more than one property. Please mention that on a separate sheet and attach that to the Return.

2. To indicate whether the property is self occupied or otherwise, strike out 'Yes' or 'No,' as the case may be.

3. Indicate here the annual lettable value or the annual rent received/receivable, whichever is higher. If you own more than one house property, please give separate computation in respect of each such property using the columns indicated here.

4. The deductions admissible under section 23 should be claimed here; such as:

(a) Municipal Taxes: Assessee can claim deduction only if these are (i) borne by him and not by tenant and (ii) paid during the year. Please attach proof of such payment.

(b) New construction allowance. The relevant provisions are given in the second proviso to Section 23(1).

(c) If one or more of such properties are in the occupation of the owner for the purposes of his own residence, that property may be specified in respect of which the assessee claims the annual value to be taken at 'nil' in accordance with the provisions of section 23(2).

Specify each item of deduction separately along with the amount claimed deductible thereunder.

5. The sum total of deductions claimed u/s 23 is to be indicated here.
6. Indicate here the balance (i.e. 3-5).
7. Indicate here the deduction(s) claimed u/s 24 (specifying each item separately), such as :
 - (i) Repairs—The assessee is entitled to one sixth of the Annual Value as repairs if it is not borne by a tenant—Section 24(1)(i).
 - (ii) Insurance—Section 24(1)(ii).
 - (iii) Annual charge—Section 24(1)(iv)
 - (iv) Ground Rent—Section 24(1)(v)
 - (v) Interest on borrowed capital—Section 24(1)(vi)
 - (vi) Land Revenue—Section 24(1)(vii)
 - (vii) Collection Charges (the admissible limit is the actual expenditure or 6% of the ALV, whichever is less)—Section 24(1)(viii).
 - (viii) Vacancy allowance—Section 24(1)(ix)
 - (ix) Unrealisable rent—Section 24(1)(x)
8. The sum total of deductions claimed u/s 24 is to be indicated here.
9. The net income chargeable under the head 'INCOME FROM HOUSE PROPERTY' (i.e. 6-8) is to be indicated here.

Page 3

C. PROFITS AND GAINS OF BUSINESS OR PROFESSION

1. Business of Profession (other than speculation business)

Please furnish with the Return following documents/information material to computation of income:

- I. If regular books of account are maintained, copies of -
 - (a) manufacturing account, trading account, profit and loss account or income and expenditure account or any other similar account and balance sheet.
 - (b) in the case of —
 - (i) a proprietary business or profession the personal account of the proprietor;
 - (ii) a firm, association of persons or body of individuals, personal accounts of the partners or members.
 - (c) where the accounts of the assessee have been audited copies of the audited profit and loss account and balance sheet and the auditor's report and the cost audit report (if applicable.).
- II. If regular books of account are not maintained, attach a statement indicating the amounts of turnover or gross receipts, gross profits, expenses and net profit of the business of profession and the basis on which such amounts have been computed and disclosing the amounts of the total sundry debtors, sundry creditors, value of stock-in-trade and cash balance as at the end of the previous year.
- III. (a) (i) If the accounts are audited under section 44AB the report of such audit together with the requisite particulars.
 - (ii) In case the assessee has claimed deduction under section 80HHC in respect of profits retained for export business the report of accountant relating to the deduction together with the requisite particulars.
 - (iii) In case the assessee has claimed deduction under section 32AB or 80HHA or 80HHD, report(s) of the accountant in respect of the deduction(s) so claimed.
- (b) In case the provisions of section 44AC, 44B, 44BB and 44BBA are applicable, details regarding the same.
- IV. Additional information to be furnished by assessee engaged in contract work: If the value of materials supplied by the person with whom the contract was made or the amount of security deposit (out of the payment due for work done) retained by him has not been included in the gross receipts shown, please attach a statement showing the value of materials and the amount of security deposit.
- V. Additional information to be furnished by producers of cinematograph films: please indicate whether the statement of payments to persons engaged in the production of cinematograph films has been delivered to the concerned Assessing Officer under section 285B.
- VI. In case of a dealer/broker/agent or any other person concerned in the management of a stock or commodity exchange, he should furnish a statement of the names and addresses of all persons to whom he or the exchange has paid in the previous year any sum or aggregate sums:
 - (a) In excess of Rs. 2,000 by way of 'difference,'
 - (b) In excess of Rs. 10,000 in connection with the transfer, whether by way of sale, exchange or otherwise, of assets, or on whose behalf or from whom he or the exchange has received any sum together with particulars (amount, date, etc. of such payments and receipts).
- VII. If the assessee has paid during the previous year, rent, commission, royalty or brokerage or any annuity (not being an annuity assessable under the head "salaries") exceeding one thousand rupees, separate statement (according to nature of payment) showing the names and addresses of the payees and the amounts paid should be furnished in a separate sheet along with return. If any payee is a non-resident it should be indicated whether tax has been deducted at source and paid to the credit of the Central Government or not. Also please attach statement containing names of persons and gross amounts in case of sales and purchases exceeding Rs. 10,000 in value.
- VIII. If the assessee is liable to deduct tax at source under section 192, 193, 194A, 194B, 194BB, 194C, 194D, 194E or 195, state whether the prescribed returns have been furnished to the concerned Assessing Officer and indicate the date(s) of furnishing such return(s).

Net Profit/Loss as per Profit and Loss Account

Give here the profit/loss as per Profit & Loss Account from business/profession (other than speculation business). Where the assessee has more than one business/profession, or has any deemed income or income from a discontinued business/profession, computation for each such business/profession should be given in separate sheets (using the same format as given in this Sub-Part) and attached to the return

2. Adjustments :

A. Please indicate additions and deductions of amounts which have not been adjusted in the Profit/Loss Account in accordance with Sections 28 to 44C.

B. Also please furnish with the Return :

I. Particulars in respect of depreciation allowance :

(a) in respect of each block of assets :

(i) description of assets forming part of the block in the beginning of the previous year, their written down value, description and cost of assets purchased during the year and the description and sale price of any asset sold during the year;

(ii) written down value at the end of the year;

(iii) the rate at which depreciation claimed and the amount of depreciation.

(b) Description of assets forming part of the block of assets eligible for 100% depreciation during the year. Also state whether any of these assets were sold during the year and if so, the break-up of the sale price in respect of each such asset.

(c) Description of assets forming part of the block of assets which exists but whose written down value has been reduced to NIL as the full value of the consideration received on the transfer of any asset forming part of the block during the year exceeds the written down value of the said block at the beginning of the year together with the cost of any asset of that block purchased during the year.

II. Particulars in respect of Investment Allowance, Investment Deposit Account :

(a) Details of ship or aircraft or plant for machinery purchased during the year on which Investment Allowance has been claimed and the rate thereof (Also attach supporting evidence of acquiring the asset).

(b) Details of deposit(s) made with Development Bank in accordance with the Investment Deposit Account Scheme, 1986 [section 32AB(1)(a)] (attached proof of deposit(s)).

(c) Details of ship or aircraft or plant or machinery purchased on which deduction under Investment Deposit Account claimed [Section 32AB(1)(b)] (attach supporting evidence for the purchase).

(d) Details of assets purchased out of the withdrawals made in accordance with the Investment Deposit Account Scheme, 1986 or the Investment Deposit Account Scheme, 1986 (Tea). [Attach supporting evidence for the purchase of the new asset, the amount(s) withdrawn from the Industrial Development Bank of India or the National Bank for Agriculture and Rural Development, as the case may be, and the date(s) of the withdrawal(s).]

(e) Details of expenditure incurred out of the amount(s) withdrawn from National Bank for Agriculture and Rural Development in accordance with the Investment Deposit Account Scheme, 1986 (Tea), giving the break-up of the amount and the date(s) of the withdrawal(s).

3. Indicate the aggregate amount of adjustments separately under the Add and Deduct columns.

4. Net profit/loss (i.e. balance after adjustments of 1 and 3) should be indicated here.

5. **Share in Profit/Loss of RF(s) :** The space provided is for indicating share from one firm. In case assessee is a partner in more than one Registered Firms, then mention such share in profits/loss of RFs on separate sheet(s) using the same columns as indicated here and attach that to the Return. Also please attach copy/copies of personal account(s) in the firm(s).
6. **Adjustments :** Under 'Add' and 'Deduct' columns mention those additions and deductions which the assessee is liable/entitled to in relation to share in profit/loss of RF shown in 5 above and not already adjusted in the case of such RF.
7. Indicate the aggregate amount of adjustments separately under the Add and Deduct columns.
8. Net profit/loss (i.e. balance after adjustments of 5 and 7) should be indicated here.
9. **J. Please mention here share in profits or loss of URF/AOP/BOI separately in the given space and take the sum total of all these to the outer column. (Strike out whichever is not applicable).**
If the space provided is insufficient, use a separate sheet and attach that to the return.

II. Assessee should also furnish with the Return :

- (i) If a partner in an URF or a member of an AOP/BOI, his personal account(s) in such URF/AOP/BOI.
- (ii) Complete details regarding Discontinued Business/Profession on a separate sheet.
- (iii) Details of the amount(s) deemed to be his income under Section 32A/32AB/33AC/80HHD(5).
- (iv) If the assessee has received income from his employee as contribution to any fund specified in section 2(24)(x) during the previous year, which is chargeable to tax under the head "Profits and Gains of Business or Profession" or "Income from Other Sources", details of such income as well as of sums credited by the assessee to the employee's account in the relevant funds on or before the due date mentioned in section 36(1)(va).

III. If the space provided is insufficient, then mention details on a separate sheet and attach that to the Return.

10. Under 'Add' and 'Deduct' columns mention those additions and deductions which the assessee is liable/entitled to in relation to share in Profit/Loss of URF/AOP/BOI shown in 9 above and not already adjusted in the case of URF/AOP/BOI.
11. Indicate the aggregate amount of adjustments separately under the Add and Deduct columns.
12. Net profits/loss (i.e. balance after adjustments of 9 and 11) should be indicated here.
13. The net result of balances shown at 4, 8 & 12 above should be indicated here.
14. **I. Indicate here the unabsorbed losses/allowances brought forward from earlier years. Please specify the items and amounts separately. If the space provided is insufficient, use separate sheet(s) and attach that to the Return.**
- II. In case where profits are insufficient to absorb brought forward losses/allowances and current depreciation, the same should be deducted in the following order :**
 - Current scientific research expenditure [section 35(1)]
 - Current depreciation [section 32(1)]
 - Brought forward business losses [section 72(1)]
 - Unabsorbed family planning promotion capital expenditure [section 36(1)(ix)]
 - Unabsorbed depreciation [section 32(2)]
 - Unabsorbed scientific research capital expenditure [section 35(4)]
 - Unabsorbed development allowance [section 33A(2)(ii)]
 - Current development allowance [section 32A(2)(i)]
 - Unabsorbed investment allowance [section 32A(3)(ii)]
 - Current investment allowance [section 32A(3)(i)]

15. Indicate here the result of 13 and 14 [i.e. resultant "INCOME/LOSS FROM BUSINESS/PROFESSION" (other than speculation business)].
16. Mention the amount of income earned from Speculation Business. If this represents share from RF/URF/AOP/BOI then it should be clearly stated and complete details of such RF/URF/AOP/BOI, such as the names of partners/members, their profit sharing ratios and copy of personal account of the assessee in such RF/URF/AOP/BOI should also be furnished and attached to the Return.
17. Adjustments : Please indicate additions and deductions of amounts which have either not been adjusted in the Profits/Loss Account, or if adjusted these are higher or lower than the admissible amounts. Additions/deductions which the assessee is liable/entitled to in relation to share in profits/loss of RF/URF/AOP/BOI and not already adjusted in the case of such RF/URF/AOP/BOI should also be indicated here.
18. Indicate the aggregate amount of adjustments separately under the Add and Deduct columns.
19. Net profit/loss (i.e. balance after adjustments of 16 and 18) should be indicated here.
20. The speculation loss brought forward from earlier year(s) to the extent the same can be set off against 19 is to be given here. The balance speculation loss from earlier year(s) to be carried forward may be indicated on a separate sheet.
21. Indicate here the chargeable INCOME FROM SPECULATION BUSINESS (i.e. the adjusted balance of 19 and 20).
22. Indicate here the net chargeable "INCOME FROM BUSINESS OR PROFESSION" (i.e. 15+21). In case the amount at 21 is a loss then the same cannot be adjusted against 15. In that case the amount at 15 should be repeated at 22.

Page—4

D. CAPITAL GAINS

1. Give the description of the assets transferred. Separate columns have been provided for short term and long term assets. The particulars of assets transferred should accordingly be given in the respective columns. If the transfer involves more than two short term/long term assets, separate computation sheet, in the given format, should be attached to the Return.
2. Indicate here the date of acquisition and the period for which the asset has been held by the assessee before transfer.
3. Give here the date on which the asset has been transferred.
4. The gross amount realised/realisable from the transfer of the asset is to be indicated here.
5. Please indicate here :
 - (i) Cost of Acquisition : It is the cost incurred by the assessee in acquiring the asset or the cost in terms of sections 49 and 55(2).
 - (ii) Cost of improvements : It is 'nil' in relation to 'goodwill' while in relation to other assets, it is the cost incurred in improving the asset—Section 55(1)(b).
 - (iii) Cost of Transfer : It is the cost in connection with the transfer—Section 48(1)(a)(i).
6. The sum total of deductions of 5 is to be indicated here.
7. Indicate here the balance amount (4—6). If this results in a loss, indicate it by a minus (—) symbol.
8. Other deductions : The deductions admissible against short term and long term capital gains are to be indicated here separately. Please specify each item alongwith the amount deductible thereunder. If the space is inadequate, use separate sheet(s). These deductions will not be admissible if the balance of 7 results in a loss.

The admissible deductions are :

I. Short term capital gains :

- (i) Amount exempt under section 54B(1), 54D(1) or 54G(1).
- (ii) Amount deposited under Section 54B(2), 54D(2) or 54G(2).

II. Long term capital gains :

- (i) Amount exempt under Section 53, 54(1), 54B(1), 54D(1), 54F(1) or 54G(1).
- (ii) Amount deposited under Section 54(2), 54B(2), 54D(2), 54E(1), 54F(4) or 54G(2).
- (iii) Under Section 48(2).

9. Please indicate here the balance amount (7-8). If the balance of 7 is loss, the same should be repeated here.
10. Amount deemed to be income under the head 'Capital Gains' should be indicated here. Please specify each item separately alongwith the amount includible thereunder. The relevant provisions relating to such deemed income are in Sections 45(2)(3)/(4)/(5), 50, 54(2), 54B(2), 54D(2), 54E(2), 54F(4) and 54G(2).
11. The total amount of deemed capital gains is to be indicated here. It should be indicated separately in respect of short term and long term assets.
12. Indicate here the net result of 9 and 11 separately for short term and long term capital gains.
13. Indicate here the losses relating to long term assets brought forward from earlier years.
14. The net amount of short term and long term capital gains/losses under the head 'CAPITAL GAINS' should be indicated here.

E. INCOME FROM OTHER SOURCES

1. (a) Please mention the gross amount of dividend(s). Attach a separate sheet giving the following information :
 - (i) name of the Company;
 - (ii) number of shares;
 - (iii) gross amount of dividend;
 - (iv) tax deducted at source.

If the assessee has received any sum of the nature described under section 2(22)(c) and which is to be deemed as dividend, a statement should be furnished giving name and address of the company, nature of payment received and the sum so received.

Please attach dividend warrants and other supporting evidence.

- (b) Please mention the gross amount of interest(s) received/receivable. Attach a separate sheet, giving information regarding each item of interest received/receivable and attach supporting evidence.
- (c) Give here the gross amount of winnings from lotteries, crossword puzzles and races, etc, and attach separate computation if there are two or more items, and attach supporting evidence.
- (d) Specify other incomes chargeable under the head 'Income from Other Sources.'
2. The sum total of gross receipts is to be indicated here.
3. Specify the item(s) and the amount(s) of deduction(s) claimed thereunder. The relevant provisions are in Section 57.

4. The total of deductions claimed should be indicated here.
5. The net income chargeable under the head 'INCOME FROM OTHER SOURCES' is to be given here.

Page-5

F. STATEMENT OF TOTAL INCOME

1. Give here the net amounts chargeable to tax under different Heads of Income against items A to E. These should be same as shown against items A.8 and B.9 at page 2, item C.22 at page 3 and items D.14 and E.5 at page 4, respectively.
2. The sum total of A to E should be indicated here.
3. I. The deduction(s) claimed under Chapter VI-A should be indicated here. The aggregate amount of these deductions should be shown in the Total.
 II. Please give the computation of the gross amount of payment/contribution, the qualifying amount and the net amount of deduction claimed. If the space provided is insufficient, give the computation on a separate sheet and attach that to the Return.
 III. Please also attach proof of payment/contribution to support the claim.

The eligible deductions under Chapter VI-A relate to :

- (i) Payments towards life insurance premium, provident fund contribution, instalments/part payments/repayment of loans from Government. Banks etc. for purchase/construction of residential house property. Over all ceiling limits on qualifying amounts are Rupees 60,000 in the case of an author, playwright, artist, musician, actor or sportsman (including an athlete) and Rs.40,000 in the case of an individual or a Hindu undivided family or any association of persons or a body of individuals. Deduction under this section is to be calculated as under :

First Rs. 6,000	100%	
Next Rs. 6,000	50%	
Balance	40%	(Section 80C)

- (ii) Investments in certain new shares upto a maximum of Rs. 20,000. The deduction is allowed @50% of the amount invested. Example : An assessee investing Rs.25,000 will get a deduction of Rs.10,000 (i.e. 50% of the ceiling limit of Rs. 20,000). (Section 80CC).
- (iii) Deposits under the National Savings Scheme, 1987 or payment to deferred annuity plan of Life Insurance Corporation. These are deductible @100% subject to the ceiling limit of Rs. 30,000. (Section 80CCA)
- (iv) Premium paid to GIC for medical insurance. The ceiling limit is Rs.3,000 in respect of premium paid for Medical insurance. (Section 80D).
- (v) Donations to certain funds, charitable institutions, etc. Only cash donations to certain funds, charitable institutions etc. are eligible for deduction under section 80G if the aggregate thereof exceeds Rs. 250. The over all ceiling limit is 10% of gross total income (as reduced by the amount on which no tax is payable or with reference to which the taxpayer is entitled to any deduction under Chapter VI-A). (Section 80G).
- (vi) Rent paid for furnished/unfurnished residential accommodation. Taxpayers not in receipt of any house rent allowance are eligible for deduction in respect of the rent paid for residential accommodation situated in any one of the classified cities including the urban agglomerations. The deduction is admissible in respect of the rent paid in excess of 10% of the total income subject to an over all ceiling of Rs.1000 p.m. or 25% of total income, whichever is less. (Section 80GG).
- (vii) Donation for scientific research, rural development. Deduction in respect of certain donations for scientific research or rural development or conservation of natural resources is available at 100% under Section 80GGA.

- (viii) 20 per cent. of profits and gains from newly established industrial undertakings or hotel business in backward areas subject to certain conditions. (Section 80HH).
 - (ix) 20 per cent. of profits and gains from newly established small scale industrial undertakings in certain areas subject to certain conditions. (Section 80HHA).
 - (x) 50 per cent. of profits and gains from projects outside India subject to certain conditions. (Section 80HHB).
 - (xi) 100 per cent. of profits and gains derived from export of specified goods or merchandise if sale proceeds are receivable in convertible foreign exchange subject to certain conditions. (Section 80HHC).
 - (xii) Income of approved hotels or of travel agents or of tour operators for services provided to foreign tourists if receipts are in convertible foreign exchange to the extent of 50 per cent. of profits from such services plus balance of such profits of the relevant previous year as is debited to the profit and loss account and credited to a reserve account-subject to certain conditions and specified purposes. (Section 80HHD).
 - (xiii) 20 per cent. of profits and gains from industrial undertakings set up after 31-3-1981 subject to certain conditions. (Section 80I).
 - (xiv) Dividend, interest income etc. Income by way of interest on certain deposits, dividend on shares, units etc. is eligible for deduction upto over all ceiling limit of Rs.13,000. (Section 80L).
 - (xv) Specified incomes of Co-operative Societies subject to varying limits and certain conditions. (Section 80-P).
 - (xvi) 25 per cent. of professional income of authors of text books in Indian languages subject to certain conditions. (Section 80QQA).
 - (xvii) Remuneration from certain foreign sources in the case of professors, teachers, etc. 50% of such remuneration is eligible for deduction under Section 80R.
 - (xviii) 25 per cent. of professional income from foreign sources in the case of authors, playwrights, artists, musicians, actors or sportsmen (including athletes) subject to certain conditions. (Section 80RR).
 - (xix) Remuneration received for services rendered outside India. The overall ceiling limit is 50% of the remuneration or 75% thereof brought into India in accordance with the foreign exchange regulations, whichever is higher. (Section 80RRA)
 - (xx) Deduction of Rs. 15,000 can be claimed by individuals who are totally blind or permanently physically handicapped or mentally retarded. (Section 80U).
4. The total income chargeable to tax (2-3) is to be given here.
- 5.&6. Mention here the total income, as rounded off to the nearest multiple of ten rupees, both in figures and words in the manner provided.
7. The net agricultural income computed in accordance with Part IV of the First Schedule to the relevant Finance Act is to be given here.
8. Income arising to other persons and included in the assessee's total income is to be given here.
9. Give here the name and relationship of such other person(s).
10. Give details on a separate sheet if any income is chargeable to tax at a special rate e.g. under section 115BB in respect of winnings from lotteries etc. or section 115E in the case of NRIs or at a maximum marginal rate under any other provisions of the Act.

PART-II**STATEMENT OF TAXES**

1. The total tax payable on the total income is to be given here.
2. Indicate here—
 - (a) relief under Section 89(1)
 - (b) rebate in respect of share income from URF/AOP/BOI at the average rate of Income-tax.
3. Indicate here the balance amount of income tax payable (i.e. 1-2).
4. Give here interests chargeable for late filing of return, default in payment of advance tax or deferment of advance tax separately. These should be computed in the manner laid down in sections 234A, 234B and 234C.
5. The total amount of tax and interest payable (3+4) is to be indicated here.
6. Give the particulars of (A) Advance Tax Instalments and (B) Tax Deducted at Source in the respective columns provided for the purpose. Tax collected at source under section 206C may be indicated against 'any other item'.
7. Give details of the tax and interest paid on self assessment (i.e. before filing the return) and also attach challan(s) in support of the amounts so paid.
8. Other pre-paid taxes, if any, are to be indicated here. Please attach proof of such payment.
9. The sum total of tax paid is to be given here (i.e. 6+7+8).
10. The net tax payable or refundable, as the case may be, is to be indicated here. For indicating refund, precede it by a minus (—) symbol.

Page-6 Part-III

INFORMATION RELEVANT TO BUSINESS OR PROFESSION

- (a) Give full name(s) and address(es) in which the business/profession is carried on. If the space provided is insufficient, please mention such name(s) and address(es) on a separate sheet and attach that to the Return.
 - (b) Give full name(s) and address(es) of the branch(es.)
 - (c) In case of a business, please specify whether it is Trading/Manufacturing/Wholesale/Retail sale/Export/Import etc. and the main item(s) dealt in. If profession, mention the name of the profession.
 - (d) Tick the relevant and strike out others.
 - (e) Please mention whether it is 'Cost' or 'Market Price' or 'Otherwise'. If 'Otherwise', give its name and method.
2. Please give here complete information in the appropriate columns.
3. I. Give here specific particulars of the deductions claimed in computing income from Profits and Gains of Business or Profession. If a deduction in respect of Investment Deposit Account is claimed, please attach necessary certificate(s).

II. Please indicate in the space provided deduction claimed on account of Depreciation. Use the remaining space for indicating deductions admissible in relation to :

Items	Section
(i) Investment allowance	32A
(ii) Investment Deposit Account	32AB
(iii) Development allowance	33A
(iv) Tea Development allowance	33AB
(v) Rehabilitation allowance	33B
(vi) Expenditure on scientific research	35
(vii) Expenditure on acquisition of patent rights or copyrights.	35A
(viii) Expenditure on know-how	35AB
(ix) Payment to association and institution :	
(a) for carrying rural development programmes	35CCA
(b) for carrying out programmes of conservation of natural resources	35CCB
(x) Amortization of preliminary expenses	35D
(xi) Expenditure on prospecting for certain minerals	35E
(xii) Bonus to employees	36(1)(ii)
(xiii) Interest on borrowed capital	36(1)(iii)
(xiv) Bad debts	36(1)(vii)
(xv) Entertainment expenditure	37
(xvi) Expenditure on :	
(a) advertisement	37
(b) travelling	37

Page-7 Part-IV

INCOME CLAIMED EXEMPT

- Income claimed exempts should be indicated here. For such item of income claimed exempt, please specify its nature, the amount claimed exempt and the reasons for the claim.

Part-V

LIST OF DOCUMENTS/STATEMENTS ATTACHED

- Give here complete particulars of documents/statements attached to the return of income.
- Read the instructions below the verification carefully before signing it. Fill all the relevant columns in the verification. Give the place and date as indicated.

FORM No. 3

RETURN OF INCOME
[Sec Rule 12(1)(b)(iii)]Receipt No. _____
Date _____

[For assessee (other than companies and those deriving income from property held for charitable and religious purposes claiming exemption under section 11) whose total income does not include "Profits and gains of business or profession" (Please read the attached Notes carefully before filling this Form)]

1. ORIGINAL/REVISED/U/S 148/237

2. Assessment Year 19 [] [] - [] []

3. If revised, Receipt No. and
date of filing of original return

4. PAN/GIR NO.

[] [] [] [] [] [] [] [] - [] [] 19 [] []

[] []

5. Name (Surname, first) (in Block Letters)

6. Status [] []

7. Residential
Status [] [][]
[] []

8. Ward/Circle/Range

[] []

9. Office Address (in Block letters)

10. Residential Address (In Block letters)

[]
[]
[] [][]
[]
[] []

Telephone [] [] [] [] [] [] PIN [] [] [] [] [] []

Telephone [] [] [] [] [] [] PIN [] [] [] [] [] []

11. Please indicate :

- (a) Are you a citizen of India? Yes/No
(b) Are you a person of Indian origin? Yes/No
(c) Are you an NRI in whose case any part of income is to be taxed in accordance with the provisions of Chapter XITA? (if yes, please file the details in a separate sheet) Yes/No

- (d) Is this your first Assessment? Yes/No
(e) Are you assessed to Wealth-tax? Yes/No
(f) Have you claimed any Double Taxation Relief?
(i) Under Agreement with Foreign Countries Yes/No
(ii) In respect of Country with which no Agreement exists. Yes/No
Name of the Country _____

**PART-I COMPUTATION OF INCOME INCLUDING INCOME OF OTHER PERSONS INCLUDIBLE IN ASSESSEE'S
TOTAL INCOME AND NET AGRICULTURAL INCOME****A. SALARIES**

Government Yes/No

Name(s) and Address(es) of Employee(s) _____

1. Salary (including all allowances) Rs. _____
2. Less : Allowances exempt u/s 10
(a) Rs. _____
(b) Rs. _____
(c) Rs. _____ Rs. _____
3. Balance (1-2) Rs. _____
4. Add:
(a) Rs. _____
(b) Rs. _____
(c) Rs. _____
(d) Rs. _____
5. Total(3+4) Rs. _____
6. Deduct :
(a) Standard Deduction Rs. _____
(b) Rs. _____
(c) Rs. _____
7. Total of deductions of 6 Rs. _____
8. INCOME CHARGEABLE UNDER THE HEAD SALARIES (5-7) Rs. _____

B. INCOME FROM HOUSE PROPERTY

1. Address(es) of the Property(ies)	_____		
2. Self occupied	YES/NO	3. ALV/ANNUAL RENT	Rs. _____
4. Less:			
(a)		Rs. _____	
(b)		Rs. _____	
(c)		Rs. _____	
5. Total of 4			Rs. _____
6. Balance (3-5)			Rs. _____
7. Other deductions :			
(a) Repairs		Rs. _____	
(b)		Rs. _____	
(c)		Rs. _____	
(d)		Rs. _____	
(e)		Rs. _____	
(f)		Rs. _____	
(g)		Rs. _____	
(h)		Rs. _____	
(i)		Rs. _____	
8. Total 7			Rs. _____
9. INCOME CHARGEABLE UNDER THE HEAD INCOME FROM HOUSE PROPERTY (6-8)			Rs. _____

C. CAPITAL GAINS

	Short Term Assets		Long Term Assets	
1. Particulars of asset transferred	_____	_____	_____	_____
2. Period held before transfer	_____	_____	_____	_____
3. Date of transfer	_____	_____	_____	_____
4. Full value of consideration	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
5. Deductions :				
(i) Cost of Acquisition	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
(ii) Cost of Improvement	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
(iii) Cost of Transfer	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
6. Total of Deductions of 5	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
7. Balance (4-6)	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
8. Less : Other deduction(s)	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
9. Balance (7-8)	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
10. Add :				
Amount deemed to be Capital Gains				
(Please specify)				
(a)	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
(b)	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
11. Total [10(a) + 10(b)]	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
12. Total (9 + 11)	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____	Rs. _____
13. Less : Brought forward losses relating to Long Term Assets			Rs. _____	Rs. _____
14. NET AMOUNT OF CAPITAL GAINS	SHORT TERM CAPITAL GAINS		LONG TERM CAPITAL GAINS	
	Rs. _____		Rs. _____	

D. INCOME FROM OTHER SOURCES

1. (a) Dividends Rs. _____
- (b) Interest Rs. _____
- (c) Winnings from Lotteries, cross-word puzzles, races etc. Rs. _____
- (d) Others Rs. _____
2. Total of 1(a) to 1(d) Rs. _____
3. Less: Deductions (Please specify)
 _____ Rs. _____
 _____ Rs. _____
 _____ Rs. _____
4. Total Deductions of 3 Rs. _____
5. NET CHARGEABLE INCOME FROM OTHER SOURCES (2-4) Rs. _____

E. STATEMENT OF TOTAL INCOME

1. A. SALARIES (Item A.8.) Rs. _____
- B. INCOME FROM HOUSE PROPERTY (Item B.9) Rs. _____
- C. CAPITAL GAINS
 (i) Short Term Capital Gains Rs. _____ (Item C.14)
 (ii) Long Term Capital Gains Rs. _____
- D. INCOME FROM OTHER SOURCES (Item D. 5) Rs. _____
2. GROSS TOTAL INCOME (A to D) Rs. _____
3. Less: Deductions under Chapter VI-A
 (a) Rs. _____
 (b) Rs. _____
 (c) Rs. _____
 (d) Rs. _____
 (e) Rs. _____ Total Rs. _____
4. Balance (2-3) Rs. _____
5. Total Income (As rounded off to the nearest multiple of ten rupees)
 (In words) _____ Rs. _____
6. NET AGRICULTURAL INCOME FOR RATE PURPOSES Rs. _____
7. Amount of Income included in items A to D being income arising to spouse/minor child/son's wife/son's minor child or any other person or association of person Rs. _____
8. Name & relationship of such person _____
9. Income included in items A to D which is chargeable to tax at special rates. Rs. _____

PART-II STATEMENT OF TAXES

1. Tax on Total Income
 (a) At special rates Rs. _____
 (b) At normal rates Rs. _____
2. Less: Relief u/s 89(1) Rs. _____
3. Balance (1-2) Rs. _____
4. Add:
 (a) Interest on late filing of return Rs. _____
 (b) Interest for default in payment of Advance Tax. Rs. _____
 (c) Interest for deferment of Advance Tax. Rs. _____ Total Rs. _____
5. Total Tax and Interest Payable (3+4) Rs. _____
6. Prepaid Taxes: (a) ADVANCE TAX INSTALMENTS (Attach Challans)

	1st	2nd	3rd	TOTAL
Amount (Rs.)				
Date				
Name of Bank				
Branch				

(b) Tax Deducted at Source [Attach Certificate(s)]			
(i) Salaries	Rs. _____		
(ii) Interest	Rs. _____		
(iii) Dividends	Rs. _____		
(iv) Any other item (Please specify)	Rs. _____	Total	Rs. _____
7. Tax on Self Assessment [Attach Challan(s)]			
	Amount		
Date of Payment	Income Tax	Interest in respect of 4 above	
____/____/19____	Rs. _____	Rs. _____	Total Rs. _____
8. Other prepaid taxes, if any (specify & attach proof)			Rs. _____
9. Total of items 6 to 8			Rs. _____
10. NET TAX PAYABLE OR REFUNDABLE (i.e. DIFFERENCE of 5 and 9)			

PART-III INCOME CLAIMED EXEMPT

1. Nature of Income	Amount (Rs.)	Reasons for claim
(a)		
(b)		
(c)		
(d)		
(e)		

PART-IV LIST OF DOCUMENTS/STATEMENTS ATTACHED

1.
 - (a)
 - (b)
 - (c)
 - (d)
 - (e)
 - (f)
 - (g)
 - (h)
 - (i)

2. VERIFICATION

I, _____ (name in full & block letters) *son/daughter/wife of _____ solemnly declare that to the best of my knowledge and belief the information given in this return and the annexures and statements accompanying it is correct and complete and that the amount of total income and other particulars shown therein are truly stated and relate to the previous year(s) relevant to the assessment year 19... ____/____/19____

I further solemnly declare that during the said previous year(s)

- (a) no other income accrued or arose to or was received by me from any asset held in my name or in the name of any other person;
- (b) there is no other income, including income of any other person, in respect of which I am chargeable to tax under the income tax Act, 1961.

I further solemnly declare that during the said previous year(s).

- (a) no other income accrued or arose to or was received by *the person for and on whose behalf this return is furnished/the person in respect of whose total income I am assessable from any asset held in *the name of the person for and on whose behalf this return is furnished/the name of the person in respect of whose total income I am assessable, or in the name of any other person;
- (b) there is no other income including income of any other person in respect of which the said person is chargeable to tax under the Income-tax Act, 1961.

I further declare that I am making this return in my capacity as _____ (designation) and that I am competent to make this return and verify it.

Place.....

 ** (Name and Signature)

Date.....

- * Strike out whichever is not applicable.
- Before signing the declaration the signatory should satisfy himself that this return and the accompanying annexures and statements are correct and complete in all respects. Any person making the false statement in the return or the accompanying annexures or statements shall be liable to prosecution under section 277 of the Income-tax Act, 1961 and on conviction be punishable under that section with rigorous imprisonment and with fine.

NOTES

FORM NO. 3 [Income-tax Act, 1961/ Rule 12(1)(b)(iii)]
--

General

- I. Form No.3 is for assesseees (other than companies and those deriving income from property held for charitable and religious purposes claiming exemption under section 11) whose total income does not include "Profits and gains of business or profession".
- II. All Parts and columns must be filled in in the manner provided hereunder. If any part or column does not apply, please mention NA (Not Applicable) and not any mark or symbol.
- III. The numbers given in these notes under each page refer to the corresponding item numbers on the respective pages of the Return of Income.
- IV. References to sections and rules in these notes are references to the sections and the rules of the Income-tax Act, 1961 and the Income-tax Rules, 1962, respectively.
- V. These Notes should be detached and retained by the Assessee.

Page-1

1. Strike out whichever is not applicable. If it is a return for assessment year 1990-91 filed for the first time then it is an Original Return. To indicate this, leave 'Original' as it is and strike out the rest, eg: ORIGINAL/REVISED/U/S. 148./237
2. Indicate the assessment year for which the return is filed. (Assessment year is a period of 12 months immediately following the financial year. Thus, for the period 1-4-1989 to 31-3-1990 the assessment year will be 1990-91.)
3. If this is a revised return, first give the receipt number and then the date of filing the original return. Example : If the original return is filed on 15-6-1990, for which the department had issued receipt No.4210 it should be indicated in the boxes as :

4	2	1	0	1	5	—	0	6	—	1	9	9	0
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

4. The Permanent Account Number given to the taxpayer is to be quoted here. If it is not so given, indicate the GIR number, if any. If neither is given, write NOT ALLOTTED.
5. Write your name using block letters. Surname should be given first. Leave one box blank after each limb. Example : for Satya Prakash Sharma, write

S	H	A	R	M	A	S	A	T	Y	A	P	R	A	K	A	S	H
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

6. For indicating the status, please use one of the following codes :

(a) Individual	01
(b) Hindu Undivided Family (other than mentioned below)	02
(c) Hindu Undivided Family which has at least one member with total income of the previous year exceeding Rs.18,000.	03
(d) Unregistered Firm	04
(e) Registered Firm (other than the one engaged in profession)	05
(f) Registered Firm engaged in profession	06
(g) Association of persons(AOP)	07
(h) Association of persons (Trusts)	08
(i) Body of individuals (BOI)	09
(j) Artificial juridical person	10
(k) Co-operative society	11
(l) Local authority	16

Example : If it is the case of a Hindu Undivided Family, which has at least one member with taxable income exceeding Rs.18,000, the correct code will be 03.

7. Please use one of the following codes to indicate the residential status :—

Resident	01
Non-resident	02
Resident but not ordinarily resident	03

Relevant provisions are in Section 6.

8. Name here the Income-tax Ward/Circle/Rango where assessed/assessable. If you are not aware, please enquire from the Public Relations Officer of the I.T. Office or at the Receipt Counter.

9 & 10. Give your complete Office and Residential addresses along with PIN codes and Telephone Numbers, if any.

11. Strike out whichever is not applicable.

Part-I

A. SALARIES

Give the name(s) and address(es) of the employer(s). If you are in the employment of Government, strike out 'No'. In any other case, strike out 'Yes'.

1. Indicate here the gross salary received/receivable from the employer in relation to the assessment year for which the return is furnished [e.g. Salary including arrears or advance of salary, payment received in lieu of leave not availed of, bonus, wages, fees, pension (including commuted value of pension), any annuity or gratuity due (whether paid or allowed), and house rent and all other cash allowances]. Salary received/receivable from more than one employer should be included in the gross salary. Relevant provisions are in sections 16 and 17 of the I.T. Act, 1961.

In the case of a individual, if any amount is received in the current year or in the earlier as gratuity which has been claimed as exempt, a separate statement may be attached.

2. Indicate here the allowances to the extent exempt under section 10.

3. Indicate here the balance (i.e. 1-2).

4. Add the value of perquisites and profits in lieu of salary. Specify each item separately along with the monetary value thereof, in the given column(s). If the space is inadequate, attach separate sheet.

Perquisites provided by an employer can be :

(i) Free or concessional accommodation—Section 17(2)(i) and (ii).

(ii) Free or concessional benefits/amenities—Section 17(2)(iii) :

(a) Conveyance—rule 3(c)

(b) Gas, electricity, water—rule 3(d)

(c) Domestic or personal services

(d) Personal travelling

(e) Any other item (Give details)

(iii) Payment by employer in respect of obligations of assessee (including children's education, income-tax etc.) and sums payable by employer for life insurance or annuity—Section 17(2)(iv) and (v).

5. The sum of items 3 and 4 should be given here. Please attach salary certificate(s).

6. Admissible deductions from salary income should be claimed here. Specify each item separately, e.g.:

— Standard deduction : A sum equal to 33-1/3% of the Salary or twelve thousand rupees, whichever is less, is allowed in computing taxable salary.

— Entertainment allowance—Section 16(ii)

— Profession tax—Section 16(iii)

7. The total amount of deductions claimed from gross salary is to be given here.

8. Indicate here the net income chargeable under the head 'SALARIES'.

B. INCOME FROM HOUSE PROPERTY

1. Please give complete postal address(es) of the property(ies). If the assessee owns more than one property, please mention that on a separate sheet and attach that to the Return.

2. To indicate whether the property is self occupied or otherwise, strike out 'Yes' or 'No', as the case may be.

3. Indicate here the annual lettable value or the annual rent received/receivable, whichever is higher. If you own more than one house property, please give separate computation in respect of each such property using the columns indicated here.

4. The deductions admissible under section 23 should be claimed here, such as :

- (a) Municipal Taxes : Assessee can claim deduction only if these are (i) borne by him and not by tenant and (ii) paid during the year. Please attach proof of such payment.
- (b) New construction allowance : The relevant provisions are given in the second proviso to Section 23(1).
- (c) If one or more of such properties are in the occupation of the owner for the purposes of his own residence, that property may be specified in respect of which the assessee claims the annual value be taken at 'nil' in accordance with the provisions of section 23(2).

Specify each item of deduction separately alongwith the amount claimed deductible thereunder.

5. The sum total of deductions claimed u/s 23 is to be indicated here.

6. Indicate here the balance (i.e., 3—5).

7. Indicate here the deduction(s) claimed u/s 24 (specifying each item separately) such as :

- (i) Repairs—The assessee is entitled to one-sixth of the Annual Value as repairs if it is not borne by a tenant—Section 24(1)(i)
- (ii) Insurance—Section 24(1)(ii)
- (iii) Annual Charge—Section 24(1)(iv)
- (iv) Ground Rent—Section 24(1)(v)
- (v) Interest on borrowed capital—Section 24(1)(vi)
- (vi) Land Revenue—Section 24(1)(vii)
- (vii) Collection Charges (the admissible limit is the actual expenditure or 6% of the ALV, whichever is less)—Section 24(1)(viii).
- (viii) Vacancy allowance—Section 24(1)(ix)
- (ix) Unrealisable rent—Section 24(1)(x)

8. The sum total of deductions claimed u/s 24 is to be indicated here.

9. The net income chargeable under the head 'INCOME FROM HOUSE PROPERTY' (i.e., 6—8) is to be indicated here.

C. CAPITAL GAINS

- 1. Give the description of the assets transferred. Separate columns have been provided for short-term and long-term assets. The particulars of assets transferred should accordingly be given in the respective columns. If the transfer involves more than two short-term/long-term assets, separate imputation sheet, in the given format, should be attached to the Return.
- 2. Indicate here the date of acquisition and the period for which the asset has been held by the assessee before transfer.
- 3. Give here the date on which the asset has been transferred.
- 4. The gross amount realised/realisable from the transfer of the asset is to be indicated here.

5. Please indicate here :

- (i) Cost of Acquisition : It is the cost incurred by the assessee in acquiring the asset or the cost in terms of sections 49 and 55(2).
- (ii) Cost of Improvements : It is 'nil' in relation to 'goodwill' while in relation to other assets, it is the cost incurred in improving the asset—Section 55(1)(b).
- (iii) Cost of Transfer : It is the cost in connection with the transfer—Section 48(1)(a)(i).

6. The sum total of deductions of 5 is to be indicated here.

7. Indicate here the balance amount (4—6). If this results in a loss, indicate it by a minus (—) symbol.

- 8. Other deductions : The deductions admissible against short-term and long-term capital gains are to be indicated here separately. Please specify each item alongwith the amount deductible thereunder. If the space is inadequate, use separate sheet(s). These deductions will not be admissible if the balance of 7 results in a loss.

The admissible deductions are :

I. Short-term capital gains :

- (i) Amount exempt under section 54B(1), 54D(1) or 54G(1).
- (ii) Amount deposited under Section 54B(2), 54D(2) or 54G(2).

II. Long-term capital gains :

- (i) Amount exempt under Section 53, 54(1), 54B(1), 54D(1), 54F(1) or 54G(1)
- (ii) Amount deposited under Section 54(2), 54B(2), 54D(2), 54E(1), 54F(4) or 54G(2)
- (iii) Under Section 48(2).

9. Please indicate here the balance amount (7—8). If the balance of 7 is a loss, the same should be repeated here.
10. Amount deemed to be income under the head 'Capital Gains' should be indicated here. Please specify each item separately along with the amount includible thereunder. The relevant provisions relating to such deemed income are in Sections 45(2)/(3)/(4)/(5), 50, 54(2), 54B(2), 54D(2), 54E(2), 54F(4) and 54G(2).
11. The total amount of deemed capital gains is to be indicated here. It should be indicated separately in respect of short-term and long-term assets.
12. Indicate here the net result of 9 and 11 separately for short-term and long-term capital gains.
13. Indicate here the losses relating to long-term assets brought forward from earlier years.
14. The net amount of short-term and long-term capital gains/losses under the head 'CAPITAL GAINS' should be indicated here.

Page 3

D. INCOME FROM OTHER SOURCES

1. (a) Please mention the gross amount of dividend(s). Attach a separate sheet giving the following information :
 - (i) name of the Company;
 - (ii) number of shares;
 - (iii) gross amount of dividend;
 - (iv) tax deducted at source.

If the assessee has received any sum of the nature described under section 2(22)(c) and which is to be deemed as dividend, a statement should be furnished giving name and address of the company, nature of payment received and the sum so received.

Please attach dividend warrants and other supporting evidence.
- (b) Please mention the gross amount of interest(s) received/receivable. Attach a separate sheet, giving information regarding each item of interest received/receivable and attach supporting evidence.
- (c) Give here the gross amount of winnings from lotteries, crossword puzzles and races, etc. and attach separate computation if there are two or more items, and attach supporting evidence.
- (d) Specify other incomes chargeable under the head 'Income from Other Sources'.
2. The sum total of gross receipts is to be indicated here.
3. Specify the item(s) and the amount(s) of deduction(s) claimed thereunder. The relevant provisions are in Section 57.
4. The total of deductions claimed should be indicated here.
5. The net income chargeable under the head 'INCOME FROM OTHER SOURCES' (i.e., 2—4) is to be given here.

E. STATEMENT OF TOTAL INCOME

1. Give here the net amounts chargeable to tax under different Heads of Income against items A to D. These should be same as shown against item A.8 at page 1, items B.9 and C.14 at page 2, and item D.5 at page 3 respectively.
2. The sum total of A to D should be indicated here.
3. I. The deduction(s) claimed under Chapter VI-A should be indicated here. The aggregate amount of these deductions should be shown in the Total.

II. Please give the computation of the gross amount of payment/contribution, the qualifying amount and the net amount of deduction claimed. If the space provided is insufficient, give the computation on a separate sheet and attach that to the Return.

III. Please also attach proof of payment/contribution to support the claim.

The eligible deductions under Chapter VI-A relate to :

- (i) Payments towards life insurance premium, provident fund contribution, instalments/part payments/repayment of loans from Government, Banks etc. for purchase/construction of residential house property. Over all ceiling limits on qualifying amounts are Rs. 60,000/- in the case of an author, playwright, artist, musician, actor or sportsman (including an athlete) and Rs. 40,000/- in the case of an individual or a Hindu undivided family or any association of persons or a body of individuals. Deduction under this section is to be calculated as under :

First Rs. 6,000	100%
Next Rs. 6,000	50%
Balance	40% (Section 80C)

- (ii) Investments in certain new shares upto a maximum of Rs. 20,000/-. The deduction is allowed @50% of the amount invested. Example: An assessee investing Rs. 25,000/- will get a deduction of Rs. 10,000/- (i.e. 50% of the ceiling limit of Rs. 20,000/-). (Section 80CC).
 - (iii) Deposits under the National Savings Scheme, 1983 or payment to deferred annuity plan of Life Insurance Corporation. These are deductible @ 100% subject to the ceiling limit of Rs. 20,000/-. (Section 80CCA).
 - (iv) Premium paid to GIC for medical insurance. The ceiling limit is Rs. 3,000/- in respect of premium paid for Medical insurance. (Section 80D).
 - (v) Donations to certain funds, charitable institutions, etc. Only cash donations to certain funds, charitable institutions etc. are eligible for deduction under section 80G if the aggregate thereof exceeds Rs. 250.-. The over all ceiling limit is 10% of gross total income (as reduced by the amount on which no tax is payable or with reference to which the taxpayer is entitled to any deduction under Chapter VI-A). (Section 80G).
 - (vi) Rent paid for furnished/unfurnished residential accommodation. Taxpayers not in receipt of any house rent allowance are eligible for deduction in respect of the rent paid for residential accommodation situated in any one of the classified cities including the urban agglomerations. The deduction is admissible in respect of the rent paid in excess of 10% of the total income subject to an over all ceiling of Rs. 1000/-p.m. or 25% of total income, whichever is less. (Section 80GG).
 - (vii) Donation for scientific research, rural development. Deduction in respect of certain donations for scientific research or rural development or conservation of natural resources is available at 100% under Section 80GGA.
 - (viii) Dividend, interest income etc. Income by way of interest on certain deposits, dividend on shares, units etc. is eligible for deduction upto over all ceiling limit of Rs. 13,000/-. (Section 80L).
 - (ix) Specified incomes of Co-operative Societies subject to varying limits and certain conditions (Section 80-P).
 - (x) Remuneration from certain foreign sources in the case of professors, teachers, etc. 50% of such remuneration is eligible for deduction under Section 80R.
 - (xi) Remuneration received for services rendered outside India—The overall ceiling limit is 50% of the remuneration or 75% thereof brought into India in accordance with the foreign exchange regulations, whichever is higher, (Section 80RRA).
 - (xii) Deduction as Rs. 15,000 can be claimed by individuals who are totally blind or permanently physically handicapped or mentally retarded. (Section 80U)
4. The total income chargeable to tax (2—3) is to be given here.
 5. Mention here the total income, as rounded off to the nearest multiple of ten rupees, both in figures and words in the manner provided.
 6. The net agricultural income computed in accordance with Part IV of the First Schedule to the relevant Finance Act is to be given here.
 7. Income arising to other persons and included in the assessee's total income is to be given here.
 8. Give here the name and relationship of such other persons(s).

9. Give details on a separate sheet if any income is chargeable to tax at a special rate e.g. under section 115BB in respect of winnings from lotteries etc., or section 115E in the case of NRIs or at a maximum marginal rate under any other provision of the Act.

Page 4

PART-II STATEMENT OF TAXES

1. The total tax payable on the total income is to be given here.
2. Indicate here relief under Section 89(1).
3. Indicate here the balance amount of income tax payable (i.e. 1-2).
4. Give here interests chargeable for late filing of return, default in payment of advance tax or deferment of advance tax separately. These should be computed in the manner laid down in sections 234A, 234B and 234C.
5. The total amount of tax and interest payable (3+4) is to be indicated here.
6. Give the particulars of (a) advance tax instalments and (b) tax deducted at source in the respective columns provided for the purpose.
7. Give details of the tax and interest paid on self assessment (i.e. before filing the return) and also attach challan(s) in support of the amounts so paid.
8. Other pre-paid taxes, if any, are to be indicated here. Please attach proof of such payment.
9. The sum total of tax paid is to be given here (i.e. 6+7+8).
10. The net tax payable or refundable, as the case may be, is to be indicated here. For indicating refund, precede it by a minus (—) symbol.

Part-III

INCOME CLAIMED EXEMPT

1. Income claimed exempt should be indicated here. For such item of income claimed exempt, please specify its nature, the amount claimed exempt and the reasons for the claim.

Page 5

Part-IV

LIST OF DOCUMENTS/STATEMENTS ATTACHED

1. Give here complete particulars of documents/statements attached to the return of income.
2. Read the instructions below the verification carefully before signing it. Fill all the relevant columns in the verification. Give the place and date as indicated.

[No. 8649/F.No. 133/83/90-TPL]

ARBIND MODI, Under Secy.

